

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 308 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 05 दिसम्बर 2025 पृष्ठ-8 ■ मूल्य - 1 रुपये

WWW.cgfrontline.com

कांग्रेस का दवा-15 ग्रामीणों को छोड़कर किसी को नहीं मिला मुआवजा

अमेरा प्रबंधन ने पुलिस बल की मौजूदगी में जमीन सीमांकन करवाया, 10 जेल दाखिल

छ.ग.फ्रंटलाइन
अंबिकापुर/लखनपुर।
एसईसीएल अमेरा खदान के लिए कोयला निकालने हेतु भूमि अधिग्रहण को लेकर प्रबंधन ने पुलिस बल के मौजूदगी में परसोढ़ी कला के सीमा से ग्रामीणों को खदेड़ दिया। बुधवार की रात पुलिस बल के मौजूदगी में एसईसीएल अमेरा के द्वारा भूमि अधिग्रहण, सीमांकन कर मिट्टी खुदाई का कार्य शुरू कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। खदान के मार्ग पर 14 ऐसे बड़े वाहन मिले, जिनसे पुलिस बल को खदान तक लाया गया है। इन गाड़ियों में बस और बड़े मेटाडोर शामिल हैं। प्रत्येक की सिटिंग कैपिसिटी अगर 30 मानी जाए तो 400 से अधिक सुरक्षा बल तैनात हैं।



महतारी वंदन, फ्री राशन बंद कर दें, घरों को न उजाड़ें

जमीन के जबरिया अधिग्रहण से नाराज ग्रामीणों में प्रशासन के रवैये को लेकर बेहद निराशा है। ग्राम परसोढ़ीकला पंचायत भवन के समीप कांग्रेस जांच दल से बात करते हुए महिलाएं रो रही थीं। वे बार-बार यह निवेदन कर रही थी कि सरकार को संदेश दें कि वो भले ही फ्री राशन बंद कर दे, महतारी वंदन का 1000 रुपये देना बंद कर दे, लेकिन उनकी जमीन और घर को न उजाड़ें। ग्रामीणों से चर्चा के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि इस अधिग्रहण के विरुद्ध पूरे गांव की एकजुटता आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने इस मामले को न्यायालय में ले जाने का आश्वासन दिया है।

कंपनी के लठैतों जैसा व्यवहार न करें

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे आक्रोशित होकर हिंसक कार्रवाई न करें। साथ ही उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा के दौरान आग्रह किया कि प्रशासन आमजन की सेवा के लिए है, इनसे कंपनियों के लठैतों की तरह बर्ताव नहीं करना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से संवेदनशीलता बरतने के साथ ही गिरफ्तार ग्रामीणों को रिहा करने का भी अनुरोध किया।

खनन के नाम पर हो रही ज्यादती

जांच दल में शामिल पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने सरगुजा में खनन के नाम पर हो रहे विनाश पर चिंता जताई। उन्होंने कहा जबसे प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है तबसे अमेरा, हसदेव और मैनपाट में खनन के नाम पर स्थानीय निवासियों के साथ ज्यादतियां की जा रही है। ऐसा लगता है कि सरकार का लक्ष्य आमजन का हित न होकर पूंजी लाभ हो गया है।

गया है। 15 ग्रामीणों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति ने मुआवजा की राशि प्राप्त नहीं किया है। मुआवजा राशि का निर्धारण 2016 की कीमतों पर हुआ है, जिससे वे असंतुष्ट थे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्हें जमीन के बदले नौकरी का आश्वासन दिया गया था, किंतु इस दिशा में भी एसईसीएल ने कोई प्रयास नहीं किया। बुधवार को हुए संघर्ष के बाद गांव के

करीब 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिसमें 7 महिलाएं हैं, इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। ग्रामीणों का आरोप है कि जो लोग संघर्ष में शामिल नहीं थे उन्हें भी पुलिस ने

150 ग्रामीणों के विरुद्ध एफआईआर

अमेरा खदान विस्तार को लेकर ग्रामीणों और पुलिस के बीच हुए पत्थरबाजी के बाद स्कूली छात्र दिनेश पिता स्व सोमर साय, पांडु राम पिता बोरतोल यादव, बुद्धेश्वर दास पिता अमर दास, नन्ही बाई पति देवकरण, रामपति, सभापति राजवाड़े पति दिगंबर राजवाड़े, सरिता राजवाड़े पति महेंद्र राजवाड़े, भुवनेश्वरी, मानिकपुरी महंत, नान राजवाड़े पति राम साई राजवाड़े के खिलाफ धारा 170, 126, 135 (3) बीएनएसएस की धारा के तहत जेल दाखिल किया गया, वहीं 150 महिला-पुरुष ग्रामीणों के विरुद्ध धारा 126, 191 (2), 191(3), 190, 296, 221, 132, 121, 109 बीएनएसएस धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

झूठा एफआईआर दर्ज करने का आरोप

महेंद्र राजवाड़े, सुनील राजवाड़े ने पुलिस पर झूठा एफआईआर दर्ज करने का आरोप लगाया है। इन ग्रामीणों का कहना है कि 3 दिसंबर, बुधवार को महेंद्र राजवाड़े सहित अन्य ग्रामीण पुलिस अनुभागीय कार्यालय में बयान के लिए गए थे। 3 दिसंबर, बुधवार को हुई घटना में वे शामिल नहीं थे, बावजूद इसके पुलिस के द्वारा उनके खिलाफ झूठा एफआईआर दर्ज कर दिया गया है।

गिरफ्तार कर लिया है। कांग्रेस के जांच दल ने पाया कि जमीन के जिस हिस्से से उत्खनन किया जाना है, उसके चारों ओर चौड़ी नाली खोदकर उसे सीमांकित कर लिया गया है।

मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों से कांग्रेस जांच दल को जानकारी मिली कि भविष्य में अमेरा कोयला खदान का विस्तार पूरे परसोढ़ीकला गांव में होना है,

सरकार जिनकी प्रतिनिधि है, उन पर बरस रही लाठियां-सिंहदेव

इस मामले को लेकर टि्वट करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि सरकार जिनकी प्रतिनिधि है वो उन्हीं पर लाठियां बरसा रही है। ग्राम परसोढ़ीकला में गुजरात की एक निजी कंपनी से सरकारी कंपनी के खदान का उत्खनन कराया जा रहा है, और विरोध करने वाले ग्रामीणों पर पुलिस लाठी चार्ज कर रही है। यही गुजरात मॉडल है, जिसे वाराणसी और अयोध्या में भी दिख रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के रोजगार और संसाधनों पर बाहर की कंपनियों और लोगों का कब्जा कराया जा रहा है और स्थानीय समुदाय की अनदेखी कर दी गई है। उन्होंने अपने टि्वट में कहा है कि सरकार का काम जनता की रक्षा करना है, उन पर लाठियां चलाना नहीं। छत्तीसगढ़ के लोगों के हक, जमीन और भविष्य का इस तरह दमन नहीं किया जा सकता।



जिससे लोगों के जमीन के इस्ताम, रामविनय सिंह, साथ ही ग्रामीणों के अनूप मेहता, गुरुप्रोत सिद्ध, विस्थापित होने का खतरा बना जमील खान, लोकेश कुमार, हुआ है। जांच दल के साथ विक्रमादित्य सिंह, ग्रामीण सौरभ फिलिप, अविनाश कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विनय कुमार, अमित सिंह देव, शर्मा, अमित सिंह, मो. विरेन्द्र सिंहदेव भी मौजूद थे।

कार-बाइक से भाग रहे बलवा, मारपीट के 6 आरोपियों को घेराबंदी करके पकड़ी पुलिस

मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का, मोटरसाइकल व फार्चूनर जप्त, अब तक 19 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।
लाठी-डंडे से मारपीट के मामले में थाना सीतापुर एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम ने घेराबंदी करके छह और आरोपियों को गिरफ्तार किया है, इसके साथ ही आरोपियों की संख्या 19 हो गई है। इनके कब्जे से एक मोटरसाइकल एवं फार्चूनर कार बरामद करने में पुलिस सफल हुई है। बता दें कि एक दिसम्बर को निहाल खलखो निवासी उरांवपारा सीतापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह अपने मोहल्ले के एक व्यक्ति को उसके घर छोड़ने जा रहा था, तभी पूर्व में हुए मामूली झगड़ा, विवाद का बदला लेने की नीयत से लाठी, डंडा, लोहा लेकर पहुंचे लोगों ने उरांव मुहल्ला टोकोपारा सीतापुर में



मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। रिपोर्ट पर थाना सीतापुर में धारा 296, 351(2), 115(2), 191(1), 191(3), 190, 331(7) बीएनएस व एसटी/एससी एक्ट की धारा 3(2) (5) (क) का अपराध पंजीबद्ध करके विवेचना में लिया गया और प्रकरण में अपराध की नियति अनुसार धारा 152, 61 बी.एन.एस जोड़कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए आरोपी हीरालाल कुजूर, छोटू खान, आशिक खान, सुहेल खान,

जावेद अहमद, शाबीर हसन, अतीक खान सहित 13 आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेजा था, प्रकरण के अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार थे। विवेचना दौरान विधिवत कार्रवाई करते हुए थाना सीतापुर एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम ने 03 दिसम्बर की रात को घेराबंदी करके फार्चूनर कार एवं मोटरसाइकल से भाग रहे छह आरोपियों को हिरासत में लिया और पृच्छाछ की तो उन्होंने मारपीट करना स्वीकार किया।

पुलिस ने इन्हें किया गिरफ्तार
पुलिस ने सीतापुर थाना क्षेत्र के आरोपी हसरत उल्लाह खान पिता जाहिर उल्लाह खान 26 वर्ष, वाजिद खान पिता जब्बीर खान, आसिफ खान उर्फ निक्कू पिता स्व. शब्बीर खान 21 वर्ष, तीनों निवासी रायकेरा टोकोपारा, महंकू आलम पिता हनीम खालिद 21 वर्ष निवासी महामाया पारा, जवाला दास महान और बिट्टू पिता अंबिका दास महंत 28 वर्ष निवासी कैसरा, चंदन दास पिता नकुल दास 23 वर्ष निवासी काराबेल को गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेजा है।

बाबा गुरु घासीदास जयंती पर जिले में आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। 18 दिसम्बर बाबा गुरु घासीदास जयंती को मध्य निषेध दिवस के रूप में मनाया जाएगा। समाज कल्याण संचालनालय के निर्देशानुसार जिले में भी जन सामान्य को मद्यपान के विरुद्ध व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर गठित भारत माता वाहिनी समूह के सहयोग से वृहद नशामुक्ति कार्यक्रम, नशामुक्त भारत अभियान शपथ कार्यक्रम, नशामुक्ति कार्यक्रमों का प्रसारण, मद्य निषेध हेतु शपथ एवं संकल्प लिया जाएगा। साथ ही नशा पीड़ितों से प्रत्यक्ष संवाद विकसित कर उन्हें नशापान के दुष्परिणामों की जानकारी देना, नशामुक्ति साहित्यों का वितरण, सोशल मीडिया में प्रेरक स्लोगन चिठ्ठों आदि के माध्यम से प्रचार-प्रसार, विद्यार्थियों में नशापान के विरुद्ध जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर विलास भोसकर ने इस हेतु सर्व संबंधितों को पत्र जारी कर इन गतिविधियों का आयोजन कर कार्यक्रम को सफल बनाने कहा है।

मरीजों को लेटाकर ले जाने के लिए अस्पताल प्रबंधन खरीदा इको फ्रेंडली वाहन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।
मैंडिकल कॉलेज अस्पताल में आपात परिस्थिति में मरीजों को लिटाकर जांच, इलाज के लिए लाने और ले जाने में हो रही असुविधा को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने एक इको फ्रेंडली स्काई राइडर वाहन खरीदा है, जिससे मरीजों को एमसीएच परिसर सहित अन्य वाडों में भर्ती मरीजों को आवश्यक जांच, उपचार के लिए ले जाने में सुविधा होगी। आपातकालीन स्थिति में भी इस वाहन का लाभ मरीजों को मिलेगा। इसका विधिवत पूजा-अर्चना मैंडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अविनाश मेश्राम, अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या, चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.के. रेलवानी ने संयुक्त करके मरीजों की सेवा के लिए सुपुर्द किया। वाहन की कीमत लगभग 5 लाख रुपये है। बता दें कि पूर्व में भी प्रबंधन की ओर से अस्पताल में भर्ती मरीजों को जांच, उपचार के लिए लाने-ले जाने की सुविधा का ध्यान रखते हुए एक इको फ्रेंडली स्काई राइडर वाहन खरीदा था, जिसमें बैठाकर भर्ती मरीजों को एमसीएच सहित अस्पताल के अन्य वाडों से मुख्य अस्पताल परिसर में जांच, उपचार के लिए लाने की व्यवस्था थी, लेकिन जो मरीज बैठ पाने की स्थिति में नहीं रहते थे, उन्हें त्वरित एम्बुलेंस की सुविधा नहीं मिलने पर स्ट्रेचर, व्हील चेयर में बैठाकर भीडभाड़ के बीच सड़क पार करके मरीज के स्वजन या वाई बॉय लाते थे, जिससे खतरे की स्थिति बनी रहती थी। इससे निजात दिलाने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने स्ट्रेचरयुक्त एक और इको फ्रेंडली वाहन खरीदा है, जिसमें मरीजों को लिटाकर जांच, उपचार के लिए एमसीएच, पुराने नकीपुरिया या अन्य वाडों से हमर लैब या अन्य जांच केंद्रों तक लाया जा सकता है। स्ट्रेचर की सुविधा वाहन में रहने से संबंधित मरीज के लिए स्ट्रेचर खोजने की नौबत नहीं बनेगी। डीन व अस्पताल अधीक्षक ने कहा कि मरीजों को शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध जिला अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और सहूलियत मिले, इस दिशा में सतत प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान डॉ. संतु बाग, डाइटीशियन सुमन सिंह, छोटेलाल, राजेन्द्र गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।



मैनपाट में बॉक्साइट खदान परियोजना को लेकर जनसुनवाई संपन्न

प्रशासन ने कहा-नियमानुसार सभी प्रक्रियाएं पूरी की गईं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अपर कलेक्टर सुनील नायक की अध्यक्षता में जिले के मेसर्स मां कुदरगढ़ी स्टील्स प्रा. लि. की प्रस्तावित बॉक्साइट खनन परियोजना के लिए निर्धारित लोक जनसुनवाई 2 दिसम्बर को दोपहर 11 बजे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कमलेश्वरपुर के समीप हैलीपैड मैदान में शांतिपूर्ण एवं सुसंगठित तरीके से संपन्न हुई। कंपनी द्वारा ग्राम सपनादर, तहसील मैनपाट के विभिन्न खसरा नंबरों में फैले कुल 171.136 हेक्टेयर क्षेत्र में 127800 टन प्रतिवर्ष की बॉक्साइट खनन क्षमता वाली परियोजना प्रस्तावित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए अध्ययन के लिए आवेदन 14 मार्च 2024 को प्रस्तुत किया गया था, इसके बाद 29 अप्रैल 2025 को राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने टीओआर जारी किया। क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल अंबिकापुर द्वारा बताया गया कि लोक



सुनवाई के पूर्व परियोजना के संबंध में किसी भी व्यक्ति द्वारा कोई लिखित या मौखिक आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गई। जनसुनवाई दौरान परियोजना की रूपरेखा, पर्यावरणीय प्रभाव एवं निवारण उपायों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। उपस्थित ग्रामीणों एवं प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दर्ज कराए, जिन्हें कार्रवाई विवरण में शामिल किया गया। लोक जनसुनवाई पूरी तरह पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं नियमानुसार हुई। प्राप्त सुझावों एवं दर्ज टिप्पणियों के आधार पर आगे की पर्यावरणीय स्वीकृति प्रक्रिया संचालित की जाएगी।

अनियंत्रित ट्रेलर ट्रांसफार्मर और स्ट्रीट लाइट को ठोकर मारते पलटी

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर।

थाना क्षेत्र के अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 में स्थित नारायण पेद्रोलियम के पास 4 दिसंबर, गुरुवार की सुबह लगभग 7 बजे बिलासपुर से अंबिकापुर की ओर किलंकर लोड करके जा रही ट्रेलर अनियंत्रित होकर ट्रांसफार्मर और स्ट्रीट लाइट को ठोकर मारते हुए पलट गई। चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्ष दृशियों के मुताबिक ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीपी 4929 का चालक किलंकर लोड करके बिलासपुर से अंबिकापुर की ओर जा रहा था। चलती ट्रेलर वाहन के अचानक बंद होने से वाहन का स्टेयरिंग जाम हो गया और अनियंत्रित ट्रेलर सड़क के किनारे स्थित ट्रांसफार्मर और स्ट्रीट लाइट को ठोकर मारते हुए पलट गई। चालक बाल-बाल बच गया, और गाड़ी से निकलकर मौके से भाग गया। ठोकर इतनी जोरदार थी कि ट्रांसफार्मर के दोनों पोल टूट गए, गनीमत रही कि ट्रांसफार्मर से आग नहीं लगा और एक बड़ा हादसा टल गया।



Lakshmi Narayan Hospital
HEALING MATTER



डॉ. गौरव कुमार
एम.बी.बी.एस., डीएनबी (ओपी)
पूर्व एमोनिस्ट स्पेशलिस्ट (टाटा मेन हॉस्पिटल)
हृदय एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ



डॉ. आयुषी अययाल
एम.बी.बी.एस. (ऑनर्स) गोल्ल मेडल
एचएस (गोल्ल मेडन), डीएनबी
स्त्री रोग एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

लक्ष्मी नारायण अस्पताल
समय : प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से 05:00 बजे तक
9 गुरु चौक, संगम गली, अम्बिकापुर (छ.ग.) © 8305960517, 8251071106, 07774-356715

किसान रामेश्वर ने जताई खरीदी व्यवस्था पर संतुष्टि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिले में धान उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को दी जा रही सुविधाओं से धान विक्रय प्रक्रिया पहले से अधिक सुगम, सरल और आसान हो गई है। लुण्ठ ब्लॉक के अंतर्गत किशनपुर ग्राम पंचायत के किसान रामेश्वर प्रसाद ने धौरपुर धान उपार्जन केन्द्र में धान विक्रय का अनुभव साझा करते हुए इसकी सराहना की है। किसान ने बताया कि वे 240 बोरी धान लेकर धौरपुर उपार्जन केन्द्र पहुंचे थे। उन्होंने समिति से पहला टोकन 104 टोकन कटाने में उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं हुई। उन्होंने बताया कि 8 एकड़ की रबी



जमीन है, कुल 210 क्विंटल धान का विक्रय करते हैं, उन्होंने बताया कि धौरपुर धान उपार्जन केन्द्र पहुंचते ही नमी परीक्षण और प्रारंभिक प्रक्रिया के बाद बारदाना उपलब्ध हुए। धान की तौल प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई, उन्होंने धान खरीदी व्यवस्था पर अपनी संतुष्ट व्यक्त की। किसान ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के शासन में

किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान का सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। इससे प्रदेश के किसान आर्थिक रूप से और अधिक सक्षम और समृद्ध हो रहे हैं। उन्होंने पूरी धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी व किसान-हितैषी बताते हुए मुख्यमंत्री एवं शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। छत्तीसगढ़ शासन के निदेशानुसार जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधा, समय पर बारदाना उपलब्धता, पारदर्शी तौल एवं समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की बाधा या परेशानी नहीं आ रही है।

आईजीकेवी के वैज्ञानिकों द्वारा आदिवासी उपयोजना अंतर्गत अरहर फसल के प्रदर्शन का निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं निदेशक, विस्तार सेवाएं डॉ. एस. एस. टुटेजा के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र, सरगुजा द्वारा आदिवासी उपयोजना अंतर्गत 30 एकड़ क्षेत्र में किसानों के खेतों पर स्थापित अरहर फसल प्रदर्शन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ. संदीप शर्मा ने केवीके की गतिविधियों एवं प्रक्षेत्र प्रदर्शनों को जानकारी दी। विश्वविद्यालय से आए वैज्ञानिक दल में डॉ. मधुरी साहू (प्रभारी, टीएसपी) एवं डॉ. निर्यति पांडेय शामिल रही। डॉ.

मधुरी साहू ने किसानों को अरहर की उन्नत किस्मों, उनके गुणधर्मों तथा अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. निर्यति पांडेय द्वारा अरहर फसल में लगने वाले प्रमुख कीटों की पहचान एवं उनके प्रबंधन संबंधी तकनीकी जानकारी किसानों को प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों ने उपस्थित किसानों से कृषि संबंधी चर्चा की तथा रबी फसल की तैयारी के विषय में भी सलाह दी। अरहर फसल प्रदर्शन हेतु किसानों को बीज, खरपतवार नाशी एवं कीट प्रबंधन हेतु आवश्यक दवाइयों पूर्व में उपलब्ध कराई गई थीं। निरीक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं तकनीकी टीम उपस्थित रहे।

जिला पंचायत के सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिला पंचायत के सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक बुधवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में जिला पंचायत के आय-व्यय का अनुमोदन लिया गया एवं अन्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। इसी प्रकार सामान्य सभा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा के दौरान जल जीवन मिशन योजना-नर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर सतत पेयजल आपूर्ति हेतु निर्देशित किया गया है। बैठक में सदस्यों द्वारा जिले में छात्रावासों की जरूरत में स्थिति तथा एकल शिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षक व्यवस्था की मांग की गई।



सीईओ जिला पंचायत द्वारा अवगत कराया गया की छात्रावास मरम्मत हेतु आदिम जाति कल्याण विभाग में आबंटन उपलब्ध है। उन्होंने सभी सदस्यों को जर्जर छात्रावासों की सूची सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को उपलब्ध कराने कहा, ताकि स्वीकृति की कार्यवाही की जा सके। इस दौरान शिक्षा विभाग को एकल शिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षक व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उप संचालक कृषि विभाग को निर्देशित

किया गया कि रबी फसल हेतु किसानों को समय पर खाद बीज उपलब्ध कराया जाए तथा खाद्य विभाग से समन्वय स्थापित कर धान खरीदी व्यवस्था को सुचारु रूप से सम्पादित किया जाए। इस दौरान जिला खनिज अधिकारी ने कहा कि बालू दुलाई करने वाले वाहन, जिसके पास शासकीय निर्माण कार्यों हेतु परिवहन के लिये कोई भी प्रमाणित अभिलेख दिखाने जाने पर वाहन को नहीं रोका जाएगा।

गुरुकुल महाविद्यालय में मना विश्व एड्स दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पथलगांव। गुरुकुल महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस मनाया गया। इस अवसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथलगांव के डॉ. आशीष भगत, विजय कुमार, पुनम मिश्रा, सुश्री रजनी धुर्वे आदि के द्वारा क्रमशः एड्स रोग से बचाव एवं लक्षण के विषय में गंभीरता पूर्वक अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए गए। इस क्रम में सर्वप्रथम डॉ. आशीष भगत द्वारा एड्स लक्षण रोकथाम उपाय आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात विजय कुमार एआरटी सेंटर, एनएससीओ, डब्ल्यूएचओ जैसी कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बारे में विस्तार से बताते हुए यह बताया गया की संस्थाएं किस प्रकार से



एड्स एवं उसके रोकथाम में मानव सहायता प्रदान कर रही है। चर्चा के इस क्रम में श्रीमती पुनम मिश्रा के द्वारा महिलाओं के द्वारा पुरुषों से संबंध बनाते समय किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए इसकी जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। कार्यक्रम के दौरान बीच-बीच में छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रश्न पूछे गए जिनका उन्होंने सरलता से उत्तर भी दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य

डॉ. अजीत कुमार यादव के द्वारा की गई एवं मंच संचालन डॉ. यादव, राकेश, पारसनाथ एवं सुश्री सोनू मंडल तथा एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी राजेश्वर प्रसाद एवं समस्त सहायक प्राध्यापक, प्राध्यापिकाएं एवं समस्त विभाग के छात्र छात्राओं के बीच में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। अंत में डॉ. यादव राकेश पारसनाथ के द्वारा आए हुए अतिथियों का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया गया।

तारा में संपन्न हुआ दूसरा पीसीबी ट्रॉफी प्लड लाइट क्रिकेट टूर्नामेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। आरआरवीएनएल की सामाजिक उत्तरदायित्व शाखा अदाणी फाउंडेशन और तारा ग्राम पंचायत के सहयोग से तारा हाई स्कूल मैदान में दूसरा पीसीबी ट्रॉफी प्लड लाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता 13 दिनों तक चली और इसमें सूरजपुर, सरगुजा और कोरबा जिलों की कुल 32 टीमों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को खेलों के माध्यम से सकारात्मक विकास की ओर प्रेरित करना और कठिन परिस्थितियों में भी जीवन में मजबूती से खड़े रहने का संदेश देना था। ग्रैंड फिनाले में तारा पुलिस टीम और शिवनंदनपुर टीम के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।



शिवनंदनपुर टीम विजेता रही, जिसे 1,00,001 की नकद राशि और पीसीबी ट्रॉफी प्रदान की गई। वहीं, तारा पुलिस टीम उपविजेता रही, जिसे 41,000 की नकद राशि और रनर-अप ट्रॉफी दी गई। फाइनल मुकाबला देखने के लिए काफी तादात में दर्शक उपस्थित रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहा। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी

उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इनमें भुल्लन सिंह मरावी विधायक, प्रेमनगर, श्रीमती नयन सिरदार जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती संपतिवा देवी सरपंच, तारा, मुकेश कुमार चौफ ऑफ क्लस्टर, अदाणी एंटरप्राइज लिमिटेड, पारसा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और समुदाय के सदस्य शामिल रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में तारा यूथ कमेटी का विशेष

योगदान रहा। प्रमुख वक्तव्य: मुकेश कुमार, चौफ ऑफ क्लस्टर, अदाणी एंटरप्राइज लिमिटेड ने कहा अदाणी फाउंडेशन हमेशा से सामुदायिक विकास और युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। ऐसे खेल आयोजन न केवल प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। हमारा उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाना है। भुल्लन सिंह मरावी, विधायक प्रेमनगर ने कहा इस तरह के आयोजन ग्रामीण युवाओं के लिए प्रेरणादायक हैं। अदाणी फाउंडेशन द्वारा खेलों को बढ़ावा देने की यह पहल सराहनीय है और इससे क्षेत्र में खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी। भविष्य की योजना:

अदाणी फाउंडेशन ने घोषणा की है कि इस तरह के आयोजन हर वर्ष और भी बड़े स्तर पर किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को खेलों के माध्यम से सकारात्मक दिशा दी जा सके। अदाणी फाउंडेशन, अदाणी समूह की सामाजिक उत्तरदायित्व शाखा है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीवनिका और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में कार्यरत है। देशभर में फैले अपने कार्यक्रमों के माध्यम से फाउंडेशन का उद्देश्य सतत विकास को बढ़ावा देना और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना है। खेल-कूद के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना, नेतृत्व कौशल विकसित करना और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देना फाउंडेशन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

रा.से.यो. एवं यूनिसेफ ने चलाया ग्राम संपर्क अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। यूनिसेफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में सुरक्षित पारा-सुरक्षित लड़कामन 3.0 अंतर्गत ग्राम शिवपुर में व्यापक ग्राम संपर्क एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामानुजनगर के रा.से.यो.इकाई के स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा बच्चों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों को दैनिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। इनमें हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, गुड टच-बैड टच, संतुलित आहार, मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक हिंसा, भ्रूण हत्या एवं बाल विवाह जैसे संवेदशील



मुद्दे शामिल थे। ग्रामीणों तक प्रभावी संदेश पहुंचाने के लिए नुक्कड़ नाटक, परिचर्चा, स्लोगन एवं शपथ जैसे माध्यमों का उपयोग किया गया। प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, आंगनवाड़ी केंद्र तथा ग्राम के आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में सहभागिता की और इसे सकारात्मक रूप से सराहा। अभियान में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय एवं यूनिसेफ का सहयोग और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम में रा.से.यो. इकाई

से 12 स्वयंसेवकों ने भाग लिया, वहीं कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार शर्मा ने सम्पूर्ण आयोजन का नेतृत्व करते हुए जागरूकता गतिविधियों को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। ग्राम शिवपुर में आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों एवं समुदाय की सुरक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। ग्रामीणों ने आशा व्यक्त की कि ऐसे जागरूकता अभियानों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

तेलाईमुड़ा के व्यापारी से 190 बोरी धान जप्त?

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बीच प्रशासन बिचौलियों के धर-पकड़ के लिए पूरी तरह एकटवी है। एसडीएम अजय मोडियम के नेतृत्व में तहसीलदार मनहरण सिंह राठिया की टीम द्वारा बीती रात ग्राम तेलाईमुड़ा के व्यापारी राजेश साहू के गोदाम से 190 बोरी धान जप्त कर गोदाम को सील कर दिया गया। वहीं एक अन्य पीकप वाहन क्रमांक सीजी 16 ए 2011 से 60 बोरी धान जप्त कर वाहन सहित थाना रामानुजनगर के सुपुर्द कर दिया है। तहसीलदार मनहरण सिंह राठिया ने बताया कि सहकारी समितियों में किसानों का धान



खरीदी सुचारु रूप हो इसके लिए प्रशासन द्वारा लगातार मानिट्रिंग किया जा रहा है। जबकि किसानों की आड़ में बिचौलिए अपना धान समितियों में न खपा पाएँ, हम लोगों के द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। जहां भी बिचौलिए पकड़ में आ रहे हैं उनके गोदामों को सील तथा धान परिवहन करते हुए पाए जाने पर वाहनों को भी जपती की कार्यवाही की जा रही है।

टंकी तो बनी परन्तु नलजल योजना नहीं पहुंची ग्रामीणों के घर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। जिले का वाड़फनगर जनपद के ग्राम रघुनाथनगर में स्थित नलजल योजना के तहत हर घर को पानी उपलब्ध कराने के लिए टंकी तो बनी परन्तु नलजल योजना ग्रामीणों के घर तक नहीं पहुंच पाई। ग्रामीणों का आरोप है की विभागीय अधिकारी एवं ठेकेदार की मिलीभगत ने इस योजना का पलीता लगा दिया गया है। सरपंच पति की माने तो पीपेचई विभाग के ठेकेदार अनूप गुप्ता एवं पीपेचई अधिकारियों ने जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार किया है। केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण नलजल योजना को मूल रूप न देकर भ्रष्टाचार कर



लिया गया है यह योजना ग्रामीणों का कोई भला नहीं कर पा रही है केवल मिलीभगत कर अपनी जेब गरम कर रहे हैं शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नहीं होती है न तो अधिकारी न ठेकेदार ग्रामीणों की एक नहीं सुनते हैं जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है की ठेकेदार किसी बड़े अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त कर चुका है या बड़े अधिकारी

ठेकेदारों से मोटी रकम ले चुके हैं तभी तो ग्रामीण पानी के लिए दर दर भटक रहे हैं गांव के लोगों का कहना है कि बीजेपी के डबल इंजन के सरकार होते हुए भी ठेकेदार एवं अधिकारी सरकार को चुना लगा रहे हैं। प्रशासन मौन क्यों हैं, क्या प्रशासन भी तो सलित नहीं हैं, हालांकि अब देखना यह है कि प्रशासन क्या कार्यवाही करती है।

महाविद्यालय में शिक्षक अभिवावक बैठक संपन्न



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। महाविद्यालय में शिक्षक-अभिभावक समिति की बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस बैठक में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण तथा अभिभावक सम्मिलित हुए। बैठक का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय द्वारा किया गया, जिन्होंने स्वागत भाषण देते हुए शिक्षा के महत्व, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा शिक्षक-अभिभावक समन्वय की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश

डाला। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तभी संभव है जब शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी समान रूप से सक्रिय एवं उत्तरदायी हों। इसके पश्चात कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. तोयज शुक्ला ने संबोधित करते हुए अत्यंत प्रभावशाली रूपक प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शिक्षक, अभिभावक और छात्र त्रिभुज के तीन कोणों की तरह होते हैं, और जब त्रिभुज के तीनों कोण मजबूत होते हैं, तभी उसकी संरचना स्थिर रहती है। इसी प्रकार शिक्षा की प्रक्रिया भी तभी सफल होती है जब

शिक्षक मार्गदर्शन दें, अभिभावक सहयोग करें और छात्र मेहनत करें। उनके इस उदाहरण को सभी अभिभावकों ने सराहा। बैठक के दौरान अभिभावकों ने विद्यार्थियों की पढ़ाई, अनुशासन, उपस्थिति तथा महाविद्यालय की शिक्षण पद्धति पर अपने-अपने विचार रखे। कई अभिभावकों ने शिक्षकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा कुछ सुधार हेतु सुझाव भी प्रस्तुत किए। अंत में, सभी उपस्थित अभिभावकों से फीडबैक फॉर्म के माध्यम से सुझाव एवं प्रतिक्रियाएं ली गईं।

अंतर्राष्ट्रीय निशक्तजन दिवस के अवसर विधिक जागरूकता शिविरों का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश के.एल. चरयाणी के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय निशक्तजन दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिसके तहत लोगों को दिव्यांगजनों से संबंधित विभिन्न विधिक जानकारी, नालसा के योजनाओं, लोक अदालत, नालसा हेल्पलाइन नम्बर 15100 के बारे में बताया गया। समाज कल्याण विभाग के

सहयोग से आयोजित विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से होली क्रॉस आस्था निकुंज दिव्यांग स्कूल अम्बिकापुर में विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों के अधिकार के प्रति जागरूक किया गया। विधिक जागरूकता शिविर के साथ-साथ बच्चों के लिए खेलकूद का कार्यक्रम भी रखा गया। साथ ही जिला पंचायत सरगुजा के सहयोग से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सरगुजा के पैरालीगल वॉलंटियर द्वारा मानिकप्रकाशपुर, मंझपारा, कान्तिप्रकाशपुर, धौरपुर, ज्यूनाडीह, पुटा के ग्रामवासियों के मध्य शिविर आयोजित कर दिव्यांगजनों के अधिकारों की जानकारी दी गई।

नवानगर में हुई मन की बात, प्रथम बैठक एवं कार्यशाला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। मन की बात की प्रथम बैठक का कार्यशाला मण्डल नवानगर में रखी गई थी। इस बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया व अध्यक्षता नवानगर मण्डल के मण्डल अध्यक्ष बाली चरण यादव ने की। अपने आतिथ्य व्याख्यान में जिलाध्यक्ष ने सभी मण्डल के अध्यक्ष व मन की बात के सभी मण्डल के संयोजक, सह संयोजक को 30 नवम्बर को हृदय की बात के सफल आयोजन के लिए बधाई दी व मन की बात में हर माह अलग-अलग थीम पर कार्ययोजना बनाकर कभी एक पेड़ माँ के नाम, स्वच्छता, खेल-कूद प्रतियोगिता सरगुजा जिले के 787 बूथों पर करवाने का आग्रह किया है एवं सभी बूथों में एक संयोजक और दो सह संयोजक की जल्द-से-

जल्द सभी मण्डल अध्यक्ष नियुक्त करेंगे तथा आत्मनिर्भर भारत के विधानसभावार कार्यक्रम में जिले के सभी युवाओं को सम्मिलित करवाने तथा एस.आई.आर. पर सभी बूथों में बी.एल.ए.2 को सक्रिय भागीदारी रखने का भी मण्डल अध्यक्षों से आग्रह किया गया। कार्यशाला में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष लालन प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में सभी को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी अनवरत जनता के बीच में जाकर कार्य करते रहते हैं। उसी कड़ी में मोदी जी के मन की बात हर बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता जनता से रूबरू होने का यह एक माध्यम है। आत्मनिर्भर भारत पर निष्ठा प्रताप सिंह ने अपने व्याख्यान दिए और कहा कि इस दीपावली लोकल फॉर लोकल, स्वदेशी वस्तुओं की जमकर खरीदी

हुई और निश्चित रूप से अपना देश स्वावलंबन होता जा रहा है। एस.आई.आर. पर अपनी बात रखते हुए निलेश सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में 90 प्रतिशत गणना पत्रक भरे जा चुके हैं। थोड़ा अगर कही कमजोरी दिख रहा है तो वह शहर और कस्बों में दिख रहा है। गणना पत्रक भरने की तिथि 02 दिसम्बर से आगे बढ़ाकर 14 दिसम्बर कर दी गयी है। सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया बचे हुए लोगों का गणना पत्रक जल्द-से-जल्द भरवाया जावे। मन की बात के जिला संयोजक जन्मेजय मिश्रा ने भी स्वागत भाषण दिया। मंच संचालन जिला सह संयोजक श्रवण दास ने किया व आभार महेंद्र सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में 10 मण्डल के अध्यक्ष व 14 मण्डल से मन की बात के संयोजक, सह संयोजक उपस्थित थे।

सम्पादकीय

अब सत्ता से सेवा की ओर सरकार



संचार साथी दिनेश शर्मा 'दिनेश'

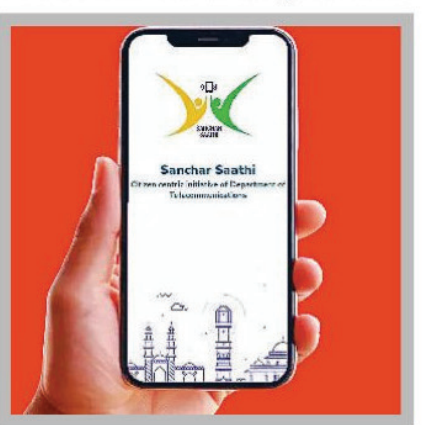
केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में कई बदलाव कर बड़े संदेश दिए हैं। इस बार राज्यों की राजधानियों में राज भवन के नाम बदले जा रहे हैं। अब इन्हें राज भवन के स्थान पर 'लोक भवन' के नाम से जाना जाएगा। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल, तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने यह बदलाव कर दिया है। कई राज्यपालों ने तो खुद ही सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। वहीं, केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का नाम बदलकर 'सेवा तीर्थ' कर दिया है। इसके अलावा, केंद्रीय सचिवालय को 'कर्तव्य भवन' के नाम से जाना जाएगा। इन नाम बदलने के पीछे सरकार की एक बड़ी सोच छिपी है। ऐसे बदलाव साफ संदेश देते हैं कि सत्ता पद केवल लाभ उठाने के लिए नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। ये नाम बदलाव बस दिखावे के लिए नहीं, बल्कि संदेश देते हैं कि सरकार को सोच में बड़ा बदलाव आया है। यह दर्शाता है कि सरकार जनता की सेवा करने वाली है, न कि सिर्फ सत्ता चलाने वाली। अब यह बदलाव केवल पीएमओ, राज भवनों का नाम बदलने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रदर्शन पहले भी कई अवसरों पर दिखाई दे चुका है। इससे पहले राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' किया गया था। पीएम का आधिकारिक निवास भी 'रेस कोर्स रोड' कहलाता था, जिसे 2016 में बदलकर 'लोक कल्याण मार्ग' किया गया था। अब पीएमओ के अफसरों ने कहा कि 'सार्वजनिक संस्थानों में बड़ा बदलाव हो रहा है। सरकार सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रही है। ये बदलाव प्रशासनिक नहीं, सांस्कृतिक हैं।' बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में कहा था कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इसलिए राज्यपालों और उप-राज्यपालों के कार्यालयों को अब 'लोक भवन' और 'लोक निवास' के नाम से जाना जाएगा। वहीं, अब पीएम नरेंद्र मोदी का दफ्तर (पीएमओ) भी 78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से निकलकर 'सेवा तीर्थ' नाम वाले नए एडवांस कैंपस में शिफ्ट होने जा रहा है। यह बदलाव सेंट्रल विस्टा री डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का बड़ा हिस्सा है। अब पीएमओ सेवा तीर्थ-1 से काम करेगा, सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय होगा, जबकि सेवा तीर्थ-3 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) का दफ्तर होगा। इन बदलावों के पीछे पीएम मोदी की सोच है जो जन सेवा के लिए उनके दीर्घकालिक दृष्टिकोण को परिलक्षित करती है। पिछले एक दशक में कई मौकों पर इसका परिचय मिला है। शुरुआत खुद ही प्रधानमंत्री आवास के पते से हुई थी, जब दरवाजे से चले आ रहे पते को बदला गया था। पहले प्रधानमंत्री का सरकारी आवास सात रेसकोर्स रोड के नाम से जाना जाता था, लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 2016 में इसका नाम बदल कर लोक कल्याण मार्ग किया गया। इसके पीछे जनता की सेवा और कल्याण का उद्देश्य है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों के नामकरण से कर्तव्य और पारदर्शिता की भावना प्रकट होती है। इसके पीछे का संदेश यही है कि सरकार का काम है जनता की सेवा करना, न कि सिर्फ सत्ता का सुख भोगना।

इस बार संसद में पक्ष और विपक्ष के बीच जारी चर्चा का केंद्र-बिंदु बना है हमारा मोबाइल फोन। दरअसल, संसद के वर्तमान सत्र में सरकार द्वारा 'संचार साथी' एप को देश के हर स्मार्टफोन में अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव एक ऐसे विमर्श को जन्म दे रहा है, जो आधुनिक भारत में तकनीक और नागरिक अधिकारों के बीच के संवेदनशील द्वंद का कारण बन गया है। पर यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि संचार साथी का यह विमर्श केवल एक एप का विवाद नहीं, बल्कि भारत के उस भविष्य की रूपरेखा है जहां हमें तय करना है कि हम तकनीक के साथ कितनी आजादी, कितनी सुरक्षा और कितनी निजता के साथ जीना चाहते हैं।

सुरक्षा कवच या निजता पर निगरानी

देश की सबसे बड़ी पंचायत यानी संसद भवन के गलियारों में आज जो कोलाहल मूँग रहा है, उसका सरोकार किसी सरहद के तनाव या गियामी बिसात से नहीं, बल्कि उस धड़कन से है जो हमारी जेब में धड़कती है। इस बार संसद में पक्ष और विपक्ष के बीच जारी चर्चा का केंद्र-बिंदु बना है हमारा मोबाइल फोन। दरअसल, संसद के वर्तमान सत्र में सरकार द्वारा 'संचार साथी' एप को देश के हर स्मार्टफोन में अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव एक ऐसे विमर्श को जन्म दे रहा है, जो आधुनिक भारत में तकनीक और नागरिक अधिकारों के बीच के संवेदनशील द्वंद का कारण बन गया है। यह मुद्दा महज एक एप्लीकेशन को डाउनलोड करने का नहीं, बल्कि उस लक्ष्यण रेखा का है जो राज्य की शक्ति और नागरिक की निजता के बीच खिंची होनी चाहिए। इस डिजिटल युग में, जहां डेटा ही नया ईंधन है, हमारा स्मार्टफोन वह तिजोरी बन गया है जिसमें हम अपने जीवन के सबसे निजी पन्ने, अपनी आर्थिक कुंजी और अपनी पहचान सहेजकर रखते हैं। विदंबना यह है कि आज यही तिजोरी सबसे अधिक असुरक्षित है। जामताड़ा के वीहड़ों से लेकर मेवात की गलियों तक, और अब देश के सुदूर कोनों से संचालित साइबर अपराधों ने आम आदमी के जीवन को एक अनजाने भय से भर दिया है। सुरक्षा एजेंसियां जब तक घंटित हुए अपराध निदान निकालती हैं, तब तक अपराधी नए रास्ते खोज लेते हैं। इसी पृष्ठभूमि में सरकार 'संचार साथी' को एक 'केंद्रीयकृत डिजिटल प्रवर्ध' के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। इसे एक ऐसी व्यवस्था माना जा रहा है जो अपराध के घटित होने की प्रतीक्षा नहीं करती, बल्कि उसे अंकुरित होने से पहले ही कुचल देने का दावा करती है। इस एप की कार्यप्रणाली को समझना किसी विज्ञान-गल्प कथा के सच होने जैसा है। सरकारी दावों के अनुसार, यह एप 'एख' नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रणाली से संचालित होगा। यह तकनीक किसी जाइड आईने की तरह काम करेगी, जो सेकेंडों में पहचान लेगी कि कहीं किसी अपराधी ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे सिम तो नहीं लिया है। यदि कोई व्यक्ति चेहरे बदलकर या नाम बदलकर ठगी का जाल बुनता है, तो 'एख' उसके चेहरे का मिलान डेटाबेस से करती ही उन सभी नंबरों को तत्काल ब्लॉक कर देगा। यह प्रक्रिया इतनी त्वरित होगी कि अपराधी को संभलने का अवसर ही नहीं मिलेगा। मोबाइल चोरी, जो एक आम समस्या बन चुकी है, उसके लिए प्रस्तावित 'किल स्विच' भी एक क्रांतिकारी कदम बताया जा रहा है। अब तक अपराधी आईएमईआई नंबर बदलकर फोन बेच देते थे, लेकिन इस नई व्यवस्था में फोन के हार्डवेयर

हस्ताक्षर को सीधे नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा। छेड़छाड़ का तनिक भी संकेत मिलते ही फोन हार्डवेयर स्तर पर लॉक हो जाएगा और वह महंगा उपकरण महज कांच और प्लास्टिक के एक बेजान टुकड़े में बदल जाएगा। सरकार का मानना है कि जब चोरी किए गए फोन का कोई भूख्य ही नहीं बचेगा, तो चोरी की घटनाएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी। कल्पना कीजिए एक ऐसे अभेद्य सुरक्षा चक्र की, जहां हर कॉल सत्यापित हो, जहां 'घास्ट सिम' का अस्तित्व न हो और जहां हम फर्जी संदेशों के जाल में फंसने से बचे रहें। निस्संदेह, एक सुरक्षित डिजिटल



भारत की यह तस्वीर अत्यंत मोहक है। किंतु, सुरक्षा के इस सुनहरे आवरण के पीछे निजता का एक घना और गहरा साया भी भंडरा रहा है और यही वह बिंदु है जिसने संसद से लेकर सड़क तक चिंता की लकीरें खींच दी हैं। एक अनिवार्य सरकारी एप, जो दिन-रात हमारे फोन में जागता रहे और हमारी गतिविधियों पर दृष्टि रखे, राज्य को एक असाधारण और असीमित शक्ति प्रदान करता है। कॉल लॉस, संदेश और लोकेशन - इन तक पहुंचना है। अनुमति भले ही सुरक्षा के नाम पर ली जाए, लेकिन इतिहास गवाह है कि निगरानी की शक्ति का दुरुपयोग अकसर राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और असहमत स्वयं को दबाने के लिए किया जाता रहा है। क्या हम एक ऐसे निगरानी घर (पेनोप्टिकॉन) का निर्माण तो नहीं कर रहे, जहां नागरिक हर पल संदेह के घेरे में होगा? इसके साथ ही, डेटा सुरक्षा का प्रश्न मुंह बाए खड़ा है। यदि सौ करोड़ से अधिक भारतीयों का रियल-टाइम डेटा एक केंद्रीय सर्वर पर एकत्र होता है, तो वह दुनिया का सबसे विशाल और संवेदनशील डेटाबेस होगा जो हैकर्स के लिए किसी 'सोने की खान' से कम

नहीं होगा। आधार लीक और सरकारी पोर्टलों पर हुए पिछले हमलों ने यह सिद्ध किया है कि सरकारी साइबर सुरक्षा अभेद्य नहीं है। ऐसे में एक भी संघ का अर्थ होगा - समूचे राष्ट्र की निजता का पतन। यह तकनीकी भाषा में 'विफलता का एकल बिंदु' (सिंगल पॉइंट ऑफ फेलियर) है, जो अत्यंत जोखिम भरा है। व्यावहारिक धरातल पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत की एक बड़ी आबादी आज भी सीमित क्षमता वाले सस्ते स्मार्टफोन पर निर्भर है। क्या एक साधारण ग्रामीण का फोन इस 'हार्ड-टेक' पहरेदार का बोझ उठा पाएगा? परंतु, इन सबसे ऊपर एक दार्शनिक प्रश्न गूंज रहा है - लोकतंत्र 'विश्वास' के अनुबंध पर चलता है या 'संदेह' की बुनियाद पर? राज्य का दायित्व नागरिकों को सुरक्षा देना है, उनकी सांसें की गिनती रखना नहीं। सरकार का यह तर्क कि 'चूंकि आप अपनी सुरक्षा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए हम आपके घर (फोन) के भीतर आकर पहरा देना होगा,' आपातकाल में तो स्वीकार्य हो सकता है, लेकिन सामान्य जनजीवन में यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मूल भावना पर प्रहार अनुभव हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने निजता को मौलिक अधिकार माना है, ऐसे में किसी एप को 'अनिवार्य' बनाना संवैधानिक कसौटी पर किना खरा उतरेगा, यह देखना शेष है। संचार साथी पर जारी इस मंथन ने हमें दोहराए पर खड़ा कर दिया है। एक रास्ता पूर्ण सुरक्षा का है, जहां अपराध के लिए कोई जगह नहीं होगी और दूसरा रास्ता निगरानी का है, जहां स्वतंत्रता के लिए कोई जगह नहीं। समाज किस दिशा में जाएगा, यह तकनीक नहीं, बल्कि उसकी नियत तय करेगी। यदि सरकार वास्तव में नागरिकों की हितैषी है, तो उसे पारदर्शिता का मार्ग चुनना होगा। एप को 'ओपन सोर्स' किया जाए ताकि विशेषज्ञ उसकी जांच कर सकें, डेटा सुरक्षा के कड़े कानून बनें, और सबसे महत्वपूर्ण - इसे बाध्यकारी बनाने के बजाय इसकी उपयोगिता सिद्ध करके नागरिकों को इसे स्वेच्छा से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। सुरक्षा अनिवार्य है, किंतु स्वतंत्रता उसकी आहुति नहीं हो सकती। बेशक साइबर सुरक्षा को लेकर कोई विवाद अथवा समझौता नहीं होना चाहिए। क्योंकि वर्तमान में साइबर सुरक्षा को लेकर कठम उठाना बहुत आवश्यक हो गया है। पर यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि संचार साथी का यह विमर्श केवल एक एप का विवाद नहीं, बल्कि भारत के उस भविष्य की रूपरेखा है जहां हमें तय करना है कि हम तकनीक के साथ कितनी आजादी, कितनी सुरक्षा और कितनी निजता के साथ जीना चाहते हैं।

(लेखक अक्षय शर्मा ने कुछ ही दिनों के अंदर अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष डॉ. रमेश ठाकुर



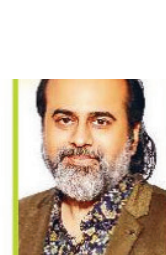
दिव्यांगों के लिए लड़नी होगी सामाजिक न्याय की लड़ाई

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस, विश्व भर के दिव्यांगजनों को सम्मान देने और उनके वैश्विक स्वास्थ्य सेवा के लिए समर्पित माना जाता है। शुरुआत 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। आज 33वां संस्करण समूचे संसार में मनाया जा रहा है। हर साल 3 दिसंबर को विभिन्न वैश्विक और स्थानीय संगठन, समाज के हर स्तर पर विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक मंच पर जुटते हैं। भारत सरकार द्वारा अक्षमों को दिव्यांग कहा जाता है। उनको स्वावलंबी बनाने के लिए तमाम तरह की कल्याणकारी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। साथ ही प्रत्येक सरकारी विभाग में उनके लिए आरक्षित सीटों का प्रावधान भी केंद्र सरकार की ओर से सुनिश्चित किया हुआ है। वर्तमान में दिव्यांग दिवस का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह न केवल दिव्यांग व्यक्तियों के योगदान को मान्यता देने का अवसर है, बल्कि समाज और सरकार को उनकी समस्याओं, जरूरतों और अधिकारों के प्रति सजग करने का भी माध्यम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और दिव्यांग अधिकार अधिनियम जैसे कानून दिव्यांग व्यक्तियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में बराबरी सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। इतिहास में, दिव्यांग व्यक्ति अक्सर शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में समान अवसरों से वंचित रहे हैं। इसके मद्देनजर, अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का महत्व केवल जागरूकता फैलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नीतिगत बदलावों और कानूनों को लागू करने की दिशा में भी एक प्रेरक शक्ति बन गया है। भारत में कई राष्ट्रीयकृत बैंक और वित्तीय संस्थान विकलांग व्यक्तियों को ऋण देते हैं। ये ऋण मुख्य रूप से राष्ट्रीय विकलांग वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं के तहत दिए जाते हैं और कुछ बैंकों की अपनी विशेष योजनाएं भी हैं जैसे कि बैंक ऑफ इंडिया की स्टार मित्र पर्सनल लोन योजना। भारत में करीब 45 फीसदी दिव्यांगजन लोन लेकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक हिंदुस्तान में करीब 2.68 करोड़ दिव्यांगजनों की संख्या बताई गई थी जिनमें 1.50 करोड़ पुरुष और 1.18 करोड़ महिलाएं थीं। इनमें अधिकांश करीब एक तिहाई आबादी गांवों में बताई गई। गनीमन ये रही कि सफल 'पर्सन पोलियो अभियान' के बाद दिव्यांगों की संख्या एकदम रुक गई। बीते दो दशकों में भारत में सिंगल केस भी सामने नहीं आया। इसे हकूमत की बड़ी सफलताओं में गिना जाना चाहिए। वर्ष 2016 से भारत में अक्षम लोगों को नया नाम दिया गया था दिव्यांग। दिव्यांग दिवस अक्षमों विकलांगों के अधिकारों और उनके कल्याण को बढ़ावा देने के अलावा उनके राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों के विषय में जागरूकता बढ़ाता है। 1976 में हुई संयुक्त राष्ट्र की आम सभा ने मिलकर विकलांगजनों के लिए आज का खास दिन मुक़र्र किया था। 2016 में भारत के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने विकलांग शब्द को हटाकर उसकी जगह दिव्यांग कहना प्रचलित करवाया था। तभी से बोलचाल की भाषा में अक्षमों को दिव्यांग कहना शुरू किया गया। वह इसलिए कि इस शब्द में सम्मान का भाव झलकता है। विश्व की बात करें तो विकलांगों की संख्या मामूले में लातविया अभी भी अत्यंत पायदान पर काबिज है, 41.2 आबादी दिव्यांगों की वहां वास करती है। वहीं, दूसरे स्थान फिनलैंड है जहां 34.9 दिव्यांग रहते हैं। आज का दिन दिव्यांगों के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा समाज में समावेशिता और भेदभाव समाप्त करने की ललक भी पैदा करता है। देश हो, चाहे विदेश, सरकार केंद्र की हो या राज्यों की, सभी को सामूहिक रूप से दिव्यांगों के प्रति लाचारी नहीं, बल्कि उनके मुकम्मल हकों के लिए लड़ना चाहिए। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईराक जैसे मुल्कों में दिव्यांगों के हालात अभी भी बदतर हैं, इसलिए दिव्यांगों के लिए अभी और समावेशी लड़ाई लड़ने की जरूरत है। हालांकि, सरकारी सुविधाओं के मिलने के बाद भारत के ज्यादातर दिव्यांगजन साहस, संकल्प के बूते सफलता के नए आयाम गढ़ रहे हैं। खेलों के विभिन्न मंचों पर पैराओलिंपिक खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर स्वर्ण अक्षरों में नया इतिहास लिख रहे हैं। प्रसिद्ध दिव्यांग व्यक्तियों में वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग और अल्बर्ट आइंस्टीन, पर्वतारोही अरुणगमा सिन्हा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंक्लिन डी. रूजवेल्ट, और भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी इरा सिंघल की कहानी दूसरे दिव्यांगजनों को प्रोत्साहित करती है। इन्होंने अपनी विकलांगताओं पर विजय प्राप्त कर अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण सफलता प्राप्त करके दूसरों को संबल दिया है।

(लेखक अक्षय शर्मा हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन बना और बिगाड़ सकती है ये चीजें

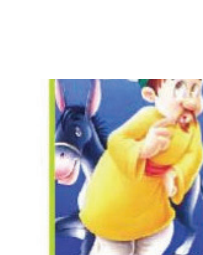
आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह



सहा पथ पर चल। आचार्य प्रशांत क अनुसार, एक व्यक्ति का आधार पर। विवाह करता है या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपना जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार भरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए। क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यही बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्तें देखते हैं या आर अपना बाँस बोलते हो, वो यूँ ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार करने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं?

ईमानदारी और आत्म सम्मान के साथ जीएं

एक सेठ अपने नौकर के साथ ऊंट खरीदने गया। उसने मंडी में एक ऊंट पसंद किया और उसे खरीदकर अपने घर लेकर आ गया। सेठ ने ऊंट की पीठ से गादी हटाई तो वहां एक पोटली दिखाई दी। उस पोटली में देखा तो उसमें हीरे थे। सेठ समझ गया कि ये हीरे ऊंट के



पुराने मालिक का है, जिससे ऊंट खराद हा। पाटला म हार देखकर नाकर न कहा कि हम ता ऊंट के साथ हीरे भी मिल गए हैं। सेठ ने नौकर से कहा कि हमने तो सिर्फ ऊंट खरीदा है, हीरे नहीं, इसलिए ये पोटली ऊंट के व्यापारी को वापस देनी होगी। अगले दिन सेठ ऊंट बेचने वाले व्यापारी के पास पहुंच गया और हीरे की थैली लौटा दी। ऊंट के व्यापारी ने कहा कि आप तो बहुत ईमानदार हैं। ये कीमती हीरे हैं, मैं रखकर भूल गया था। आपको नीयत एकदम साफ है। अपनी ईमानदारी के लिए आप इसमें से एक हीरा रख लीजिए। सेठ ने कहा कि मुझे ये हीरा नहीं चाहिए। मैंने किसी भेंट के लिए ये पोटली आपको नहीं दी है। मेरा कर्तव्य था, मैंने आपको ये थैली दे दी। जब हीरों के मालिक ने बार-बार निवेदन किया तो सेठ ने कहा कि मैंने पहले से ही दो हीरे रख लिए हैं। ये बात सुनते ही हीरों के मालिक को गुस्सा आ गया। हीरों के मालिक ने तुरंत ही पोटली में से हीरे निकाल कर गिनना शुरू कर दिए। उस थैली में 50 हीरे थे। हीरों के मालिक ने कहा कि थैली में तो पूरे हीरे हैं, आप किन दो हीरों की बात कर रहे हैं। ऊंट खरीदने वाले सेठ ने कहा कि मेरे ये दो हीरे हैं ईमानदारी और आत्म सम्मान। ये दो हीरे मैंने पहले से बचाकर रखे हैं, इसलिए आपको पूरे 50 हीरे आपको वापस मिल गए हैं।

अंतर्मन



करंट अफेयर

ट्रंप के हृदय और पेट का एमआरआई सामान्य

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चिकित्सक ने कहा कि राष्ट्रपति का अक्टूबर में एहतियात के तौर हृदय और पेट का एमआरआई स्कैन करवाया गया था जिसके परिणाम 'पूरी तरह सामान्य' पाए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस द्वारा चिकित्सक की ओर से जारी एक मेलो में यह जानकारी दी गयी है। डॉ. शॉन बारबाबेला ने सोमवार को एक बयान में कहा कि ट्रंप की शारीरिक जांच में 'एडवांस्ड इमेजिंग' शामिल थी, जो कि ट्रंप की आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए 'मानक शारीरिक परीक्षण' का हिस्सा है। डॉ. बारबाबेला ने निष्कर्ष निकाला कि हृदय और पेट की इमेजिंग 'एकदम सामान्य' है। चिकित्सक ने लिखा, 'यह जांच निवारक तौर पर की गयी है ताकि समस्याओं की जल्द पहचान की जा सके, पूरी स्वास्थ्य स्थिति का पता लगाया जा सके और उनकी दीर्घकालिक जीवन शक्ति तथा कार्यप्रणाली बनी रहे।' ट्रंप द्वारा रिवेयर को स्कैन के परिणाम जारी करने की घोषणा के बाद व्हाइट हाउस ने बारबाबेला का ज्ञापन जारी किया। इससे पहले व्हाइट हाउस ने यह बताने से इनकार कर दिया था कि अक्टूबर में वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुए इस शारीरिक परीक्षण के दौरान एमआरआई क्यों किया गया था।



आज की पाती

वया मजबूत विपक्ष जरूरी नहीं संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है और इसमें भी हमारे और हो-हल्ला होने के चंसे हैं, लेकिन संसद में हो हल्ला न हो ऐसे कैसे हो सकता है? क्या विपक्ष सरकार की तानाशाही नीतियों का विरोध नहीं करे? सरकार कोई ऐसा बिल संसद के किसी सत्र में पास करने की कोशिश करे जो आमजन के लिए लाभदायक कम और हानिकारक ज्यादा हो, उसका विरोध विपक्ष न करे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब नोटबंदी का फैसला लिया था, तब वो कितने दिन संसद ही नहीं गए थे। शायद उनके पास इस फैसले से संबंधित विपक्ष के प्रश्नों के जवाब नहीं थे। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। नहीं तो संसद में सत्ताधारी पार्टी कोई भी मनमाना कानून पास कर देगी। - शरद कान्हे जगदगुपुर

ऑफ बीट

ब्रह्माण्ड स्वयं को क्यों खंडित कर रहा है?

ब्रह्मांड किससे बना है? यह प्रश्न सैकड़ों वर्षों से खगोलविदों को उद्बलित करता रहा है। पिछली एक चौथाई सदी से, वैज्ञानिकों का मानना है कि परमाणु और अणु जैसी 'सामान्य' चीजें जो आपको, मुझे, पृथ्वी और लगभग हर चीज को बनाती हैं जिसे हम देख सकते हैं, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा है। अन्य 25 प्रतिशत 'डार्क मैटर' है, एक अज्ञात पदार्थ जिसे हम देख नहीं सकते हैं लेकिन हम यह पता लगा सकते हैं कि यह गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सामान्य पदार्थ को कैसे प्रभावित करता है। 1998 में खोजा गया, यह ऊर्जा का एक अज्ञात रूप है जिसके बारे में माना जाता है कि यह ब्रह्मांड का लगातार बढ़ती दर से विस्तार कर रहा है। एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में जल्द ही प्रकाशित होने वाले एक नए अध्ययन में, हमने डार्क एनर्जी के गुणों को पहले से कहीं अधिक विस्तार से मापा है। हमारे नतीजे दिखाते हैं कि यह एक काल्पनिक वैक्यूम ऊर्जा हो सकती है जिसके बारे में सबसे पहले आइंस्टीन ने प्रस्तावित किया था - या यह कुछ अजीब और अधिक जटिल हो सकता है जो समय के साथ बदलता रहता है। एक सदी पहले जब आइंस्टीन ने सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत विकसित किया, तो उन्हें फ्लैक्सिबल होना चाहिए था कि उनके समीकरणों से पता चलता है कि ब्रह्मांड को या तो विस्तारित होना चाहिए या सिकुड़ना चाहिए।

टैंड

हार्दिक संवेदना व्यक्त

राष्ट्रपति दिवसान्तके से बात कर कव्वात दिया से हुई दुःख जनहानि और व्यापक तबाही पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की। एक खिन्न और शिरावलीय निश के रूप में, गदत इस कठिन घड़ी में श्रीलंका और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वनभूमि कब्जा मुक्त होगी

असम की वनभूमि पर जितने भी अंधे रूप से कब्जा जमाए बैठे लोग हैं, उन्हें हटाने के लिए हमारी सरकार कड़ी कार्रवाई करती रहेगी। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक वनभूमि अंधे कब्जाधरियों से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाती। - हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

एसआईआर पर चर्चा

आज हमने नियम 267 के तहत जो नोटिस दिया है, सद्वन में उक्त उद्देश्य बताया जाना चाहिए। ये प्रस्ताव रही है। हमारी अपील है कि एसआईआर पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए। ये बहुत ही गंभीर मुद्दा है, क्योंकि देना में बीएलओज की जान जा रही है। हम इस मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार हैं। - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उद्यमियों से प्रार्थना

राजने आप अकेले पूरे नहीं करते। जिसे समान ने हमें छाड़ दिया, उसे कुछ लौटाना हमनी जिम्मेदारी है। यही मेरी सारे उद्यमियों से मो प्रार्थना है। आगे बढ़ रहे हो बहुत अच्छा। आज साव लोगों को भी बढ़ते चलो। यही उसली विकास है। - अमित अवावाल, उद्यमी



न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०- /ब-121/2025-26
ईशतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका रूपा देवी पत्नी प्रवीण कुमार निवासी ग्राम जरही थाना भटगांव तहसील प्रतापपुर जिला-सरजपुर छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर 9 शीतला चार्ड, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लॉट नम्बर 3430/2 रकबा 0.02, 3/4 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित नव्यानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 63.36 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 53.40 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण करने हेतु आवेदन पत्र मय मेटेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17/12/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निम्नलिखित के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक-02/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-3, जिला- सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र० 2025 12022900003/-121/25-28
ईशतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुनीता बा पति सोमराम राम निवासी ग्राम नवागढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) द्वारा ग्राम नवागढ़ स्थित मित्त व आधिपत्य की भूमि ख०न० 110/11 रकबा 0.028 हे० भूमि का लाल स्थिती से नक्शा चिह्नकित कर नक्शा ऑनलाईन दुरुस्त किये जाने बादल आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 26/12/2002 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार किया जायेगा। आज दिनांक 03/12/2025 को मेरे

हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-03

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202511020700073
विषय:- 3-6अ
मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:- 2025-2026
रनपुरकला प.ह.नं. 00029[हो]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार गंगा राम यादव.
अनावेदक पक्षकार - छ०ग० शासन,
ईशतहार
आवेदक गंगा राम यादव आ० स्व० बजरंग यादव व अन्य, निवासी ग्राम रनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम रनपुरकला स्थित खसरा नंबर 45/6, 46/2, 203/2, 205/1, 206/1, 207/1, 352/3, 586/71 कुल खसरा नंबर 08 कुल रकबा 0.686 हे० भूमि के राजस्व रिकार्ड में आवेदकगण के पिता का नाम वृतिवश बजरंग राम दर्ज हो गया है। जबकि वास्तविक नाम बजरंग यादव है। इसी प्रकार आवेदक क्रमांक 01 का नाम गंगा प्रसाद आ० बजरंग राम वृतिवश दर्ज हो गया है जबकि वास्तविक नाम गंगा राम यादव आ० स्व० बजरंग यादव है तथा आवेदक क्रमांक 02 का नाम वृतिवश अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 03/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है।
तहसीलदार
तहसील - अम्बिकापुर

पुतिन की आज से दो दिवसीय भारत यात्रा
रूस और भारत के बीच होंगे कई समझौते, कारोबार पर होगी बात



नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4 और 5 दिसंबर को 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय 'राजकीय यात्रा' पर भारत आ रहे हैं। इस सम्मेलन में भारत और रूस के बीच कई समझौते होंगे। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2021 में 'कामकाजी' दौर (वर्किंग विजिट) पर भारत आए थे। पुतिन की पिछली ज्यादातर भारत यात्रा कामकाजी या आधिकारिक रही है मगर आगामी दौर निश्चित रूप से राजकीय यात्रा होगी। रूस और भारत अपने रक्षा सहयोग मजबूत करने और व्यापार संबंधों (विशेष रूप से 'राष्ट्रीय मुद्राओं' में) का विस्तार करने के रास्ते तलाश रहे हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 4 से 5 दिसंबर तक की भारत यात्रा के दौरान उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के रक्षा मंत्री एंटी बेलोसोव भी रहेंगे।

2021 में 'कामकाजी' दौर (वर्किंग विजिट) पर भारत आए थे। पुतिन की पिछली ज्यादातर भारत यात्रा कामकाजी या आधिकारिक रही है मगर आगामी दौर निश्चित रूप से राजकीय यात्रा होगी। रूस और भारत अपने रक्षा सहयोग मजबूत करने और व्यापार संबंधों (विशेष रूप से 'राष्ट्रीय मुद्राओं' में) का विस्तार करने के रास्ते तलाश रहे हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 4 से 5 दिसंबर तक की भारत यात्रा के दौरान उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के रक्षा मंत्री एंटी बेलोसोव भी रहेंगे।

दिल्ली बनी 'हार्डटेक' सुरक्षा किला

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार से भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं। उनकी पूरी मूकमेट को लेकर शहर की सुरक्षा व्यवस्था को सबसे ऊंचे स्तर पर रखा गया है। पुतिन की यात्रा के लिए दिल्ली में मल्टी-ग्रिड सिस्टीम सिस्टम लागू किया गया है। यह सुरक्षा कवच बेहद व्यापक और अभूतपूर्व बताया जा रहा है। रूसी खुफिया एजेंसी और भारतीय सुरक्षा टोमै पिछले कई दिनों से एक जगह मिलकर सुरक्षा की हर परत की जांच कर रही हैं। राष्ट्रपति के ठहरने के स्थान पर सुरक्षा के सबसे कड़े इंतजाम किए गए हैं।

दुष्प्रभाव की कर सकेंगे शिकायत
हर दुवा दुकान पर चस्पा होगा क्यूआर कोड, हेल्पलाइन नंबर

नई दिल्ली

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को निर्देश दिया है कि देशभर की खुदरा और थोक दवा दुकानों पर एक निर्धारित क्यूआर कोड और टोल-फ्री नंबर लगाया जाए, ताकि लोग दवाइयों से होने वाले किसी भी नुकसानदायक असर की जानकारी आसानी से दे सकें। सीडीएससीओ ने कहा कि इस कदम से आम लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों को दवाओं के दुष्प्रभाव और उनसे जुड़े मामलों में शोध पेज 7 पर

रुकेन युद्ध के बाद दुर्लभ यात्रा

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की यह विदेश यात्राओं में से एक दुर्लभ यात्रा है। पश्चिमी देश खासकर अमेरिका और यूरोप पिछले तीन सालों से पुतिन को वैश्विक मंच पर अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जब दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पुतिन का 'रेड कार्पेट' वेलकम करने को तैयार हो।

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता कायम रहने और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक के आगे न आने से स्थानीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई।

कहासुनी के बाद उपजा था विवाद
जीआरपी थाने में हेड कांस्टेबल ने साथी पर चलाई गोली, मौत

रायगढ़

रायगढ़ रेलवे स्टेशन से बुधवार को एक दिल दहला देने वाली घटना खबर सामने आई। यहां जीआरपी थाने में मौजूद कांस्टेबल ने अपने ही सहकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। मामला रायगढ़ रेलवे स्टेशन के अंदर मौजूद आरपीएफ थाने का है। जहां बुधवार की तड़के 4 बजे के करीब थाने के भीतर से गोली चलने की आवाज आई। हादसे की जानकारी मिलते ही आरपीएफ थाने को छावनी के रूप में तब्दील कर दिया गया। मामला रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर मौजूद जीआरपी थाने का है, जहां हेड कांस्टेबल शोध पेज 7 पर

रुपया पहली बार 90 के नीचे गिरा, 90.21 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

ऐसा पहली बार, 90.21 रुपए में एक डॉलर



उत्तर भारतीय सम्मान समारोह का अयोजन हुआ

मुंबई: आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनाव की सरगमी तेज हो गई है। प्रमुख राजनितिक दलों की ओर से जगह जगह स्नेह सम्मेलन और समारोह का अयोजन शुरू कराया गया है। इसी तरह असलफा चार्ड क्रमांक 161की पूर्व नगरसेविका लीना

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
इशतहार
रा०प्र०क्र०- /3-6/2025 26
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रंजीता बौरा पति रजत बौरा, उम्र 51 वर्ष, निवासी बोरोपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदर्थक आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि अनावेदक रजत कुमार बौरा आ०स्व० कृष्ण कुमार बौरा, उम्र 55 वर्ष, निवासी बौरापारा अम्बिकापुर के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व आधिपत्य की शीट न. 03, मोहल्ला शीतला चार्ड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 1165/15 रकबा 14x20 वर्गफीट भूमि तथा उपर निर्मित दुकान/गोदाम का पंजीबद्ध दान पत्र दिनांक 07.11.2025 का निष्पादन आवेदिका के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर उक्त नजूल भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज करने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध दान पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व सहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 22/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निम्नलिखित के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 02/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।
नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का वर्चुअल टूर: कमल-थीम वाले इंटैरियर, फैसी चेक-इन काउंटर, पहली उड़ान...

नवी मुंबई : नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) 25 दिसंबर को अपनी पहली व्यावसायिक उड़ानों का स्वागत करने के लिए तैयार है और तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। 29 और 30 नवंबर को, हवाई अड्डे ने अपना पहला पूर्ण-स्तरीय एकीकृत यात्री परीक्षण पूरा कर लिया, जो परिचालन शुरू होने से पहले एक महत्वपूर्ण कदम है। ऑनलाइन शोयर किया गया एक वीडियो लोगों को हवाई अड्डे के अंदरूनी हिस्से और समग्र डिजाइन की नजदीकी झलक दिखा रहा है। इस क्लिप ने लोगों का व्यापक ध्यान आकर्षित किया है क्योंकि इसमें दिखाया गया है कि यात्री के प्रवेश करते ही नया हवाई अड्डा कैसा दिखता है। वीडियो की शुरुआत एक डिजिटल क्रिएटर द्वारा एनएमआईए के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ते हुए दिखाई देती है। वह हवाई अड्डे का परिचय देते हुए कहता है, हम नवी मुंबई हवाई अड्डे पर हैं, और यह मेरा पहला बोर्डिंग पास है। आप प्रवेश द्वार पर डिजी यात्रा की मदद से यहाँ प्रवेश कर सकते हैं। अभी, मैं अपने बोर्डिंग पास की मदद से यहाँ प्रवेश कर रहा हूँ। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अंदर आगे बढ़ते हुए, वह मुख्य हॉल दिखाते हैं, जिसमें कमल की थीम पर एक विशाल डिजाइन है। दोनों तरफ लगी दो विशाल डिजिटल स्क्रीन उच्च-रिजॉल्यूशन वाले दृश्य प्रदर्शित करती हैं, और वह बताते हैं कि इस थीम में कमल और पानी के प्रभावों का कैसे संयोजन है। वह बताते हैं कि डिस्टो पर लगे कैमरे उनकी छवि को स्पष्ट रूप से कैच कर रहे हैं, जिससे जगह का आधुनिक एहसास और भी बढ़ जाता है। इसके बाद वह एनएमआईए चेक-इन क्षेत्र में जाते हैं। यहाँ, वह दिखाते हैं कि यात्री कैसे अपना सामान जमा कर सकते हैं और अपने बोर्डिंग पास का सत्यापन करवा सकते हैं। हवाई अड्डे पर स्वचालित चेक-इन काउंटर भी हैं, जिससे यह प्रक्रिया तेज हो जाती है। इसके बाद, वह सुरक्षा अनुभाग में जाते हैं।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र० 2025 10021700035/ब-121/2024-25
//ईशतहार//
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भागीरथ सरकार आ० स्व० हरिशचन्द्र सरकार, निवासी ग्राम किशननगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम किशननगर स्थित भूमि खसरा नंबर 477/3 रकबा 0.270 हे० में से 0.260 हे० (65 डिसेमिल) भूमि अपने पिता की मृत्यु उपरांत कर्ज चुकाने एवं स्वयं के व्यवसाय हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक शिव अग्रवाल आ० रामचन्द्र अग्रवाल, निवासी देवीगंज रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को रू० 8,00,000/- (आठ लाख रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/12/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 10/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार/कार्यपालिक दंडाधिकारी रामानुजगम जिला सूरजपुर (छग)
//ईशतहार//
राप्र क्रमांक 12/24-25
आम जनता ग्रामवासी ग्राम तिवरगुडी (मकरंदीपुर) को सूचित किया जाता है कि श्री राम प्रसाद आ० श्री सिफल सिंह जाति गोड निवासी ग्राम तिवरगुडी थाना रामानुजगम तहसील रामानुजगम जिला सूरजपुर (छग) द्वारा अपने पिता सिफल सिंह आ० भोटी का मृत्यु दिनांक 17/11/1992 सत्रह नवंबर स-उनीस सौ बानवे को होने से अपने पिता सिफल सिंह आ० भोटी का मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिस पर कार्यवाई प्रारंभ कर दी गई है जिसके अंतर्गत आ० भोटी का मृत्यु दिनांक 09/12/2025 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है नियत तिथि के पश्चात कोई विचार नहीं किया जाएगा एवं अग्रिम कार्यवाही कर दी जायेगी।
दिनांक 24/06/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय को पद मुद्रा से जारी किया गया है।
तहसीलदार कार्यपालिक दंडाधिकारी रामानुजगम जिला सूरजपुर (छग)

न्यायालय तहसीलदार, कुनकुरी जिला-जशपुर (छ०ग०)
उद्धोषणा
रा०प्र०क्र०//बी-121/2025-26
ग्राम-पण्डरीपानी तहसील कुनकुरी।
एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामीण आम जनता सूचित किया जाता है आवेदक / आवेदक प्रभा तिकी पिता/पति रजित तिकी साकिन पण्डरीपानी प०ह०न० 23 तहसील-कुनकुरी जिला-जशपुर (छ.ग.) ने अपने स्वयं प्रभातिकी के जन्म दिनांक 10/08/1973 का पंजीयन आदेश बाबत आवेदन पेश किया है। जो न्यायालय में प्रकरण लिखित है। अतः जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति पेश करना हो तो दिनांक 05/12/2025. के पूर्व स्वतः या अधिकृत व्यक्ति के माध्यम में पेश कर सकते हैं। निर्धारित समावधि पश्चात दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। किया गया है। यह उद्धोषणा आज दिनांक 20/11/2025. को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर में जारी तहसीलदार कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ०ग०)

डाला सोनभद्र सोनभद्र का क्रशर परिवहन जैसे ही चालू हुआ क्षेत्र में पट्टेदारों में खुशी की लहर दौड़ गया मातों मौत के सौदागरों को यमराज का राजभवन मिल गया है। वही भारत सरकार मंत्रालय श्रम एवं रोजगार, खान सुरक्षा निदेशालय द्वारा कार्य सूचनाओं के माध्यम से अवगत कराते हुए प्रभावित कर दिया गया खान सुरक्षा महानिदेशालय वाराणसी क्षेत्र वाराणसी द्वारा जारी पत्र एस 290/3 दिनांक 2/12/2025 के द्वारा लगभग 37 खदानों को सुरक्षा मानक की अवहेलना में बंद कर दिया गया। जारी पत्र मिलते ही खान क्षेत्र में सन्नाटा छा गया। वही यूनियन द्वारा प्रदेश सरकार के राजस्व व पट्टेदारों की सुध लेने बातें सामने आने लगीं। खान सुरक्षा निदेशक वाराणसी क्षेत्र वाराणसी ने जिलाधिकारी सोनभद्र को पत्रक के माध्यम से अवगत कराया कि जनपद-सोनभद्र, तहसील ओबर, ग्राम बिल्ली मारकुण्डी, के स्वीकृत डोलो स्तन / पत्थर खदानों में इस निदेशालय के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया था, जिसके दौरान धार्मिक खान विनियम, 1961 का गंभीर उल्लंघनों के लिए खान अधिनियम, 1952 की धारा 22 (3) एवं 22अ (2) के तहत आदेश अधिसूचित किया गया है और कार्यवाही हेतु इसकी सूचना आपके कार्यालय को भी प्रदान की गयी है। उक्त उल्लंघनों के अनुपालन करने के लिए वर्तमान में भी खदान मालिकों को सुधार की योजना (स्की ड्रा शीड्यूलिंग) एवं अद्ययति खान का नक्शा (8स्त्रील्ली स्ल्ल) 15 दिनों के अंदर जमा करने हेतु पत्र भेजा गया था, जिसकी प्रतिलिपु आपके कार्यालय में भेजी गयी थी, परंतु अब तक किसी भी खदान मालिक द्वारा एवं जमा नहीं किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि खदान मालिक उल्लंघनों के निराकरण के प्रति गंभीर नहीं हैं। खान पट्टेधारकों द्वारा उक्त उलंघन का पूर्ण अनुपालन हेतु ठोस कदम नहीं उठाया जाता है। तथा खदान में सुधार हेतु योजना, उसके अनुमोदन एवं अनुपालन हेतु व्यवस्था नहीं कर ली जाती है तथा इस निदेशालय द्वारा सुधार की योजना के अनुरूप कार्य संचालित करने हेतु आदेश जारी नहीं किया जाता है तब तक खदान का खनन कार्य पूर्ण रूप से बंद रहेगा। खनिज का परिवहन बंद रखा जाए।

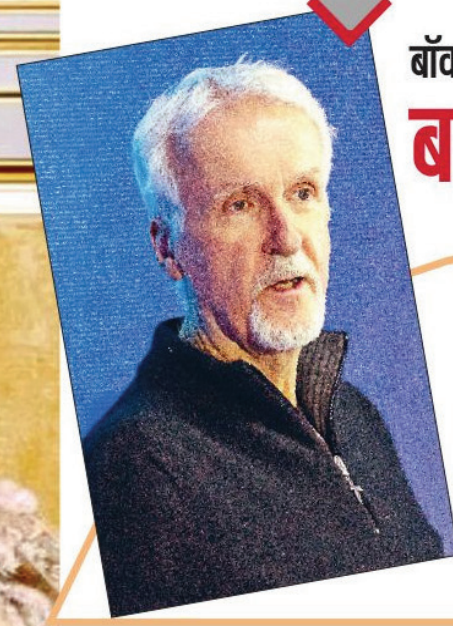
कोरिया में 8 दिसंबर को रिलीज होगी लव इन वियतनाम...

मुंबई। शांतनु माहेश्वरी और अर्चिता कौर स्टार 'लव इन वियतनाम' चार महीने पहले अगस्त में भारत में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। अब भारत के बाद 'लव इन वियतनाम' कोरिया में रिलीज होने वाली है। राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित 'लव इन वियतनाम' 8 दिसंबर को कोरिया में रिलीज होने

वाली है। यह फिल्म भारत में 12 सितंबर को रिलीज हुई थी। यह सबाहितन अली के सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास 'मैडोना इन अ फर कोर्ट' से प्रेरित एक दिल दहला देने वाली प्रेम कहानी है। यह हिंदी सिनेमा में भारत-वियतनाम के बीच पहला सहयोग है। लव इन वियतनाम के कोरिया में रिलीज होने पर फिल्म की कास्ट ने खुशी जताई।

हॉलीवुड मसाला

बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ा सम्राट



नाई दिल्ली। जेम्स कैमरून अकेले ऐसे निर्देशक हैं जिनकी दो फिल्मों ने दुनिया के बॉक्स ऑफिस पर नंबर 1 का ताज पहना, टाइटेनिक और अवतार। नोलान की फिल्मों ने भी शानदार सफलता हासिल की है, लेकिन कैमरून की फिल्मों का प्रभाव ऐसा है जिसके सामने हर रिकॉर्ड छोटा पड़ जाता है। वे सिर्फ फिल्में नहीं बनाते, वे बॉक्स ऑफिस की दिशा बदल देते हैं। नोलान कहानी और संरचना के उस्ताद हैं, लेकिन कैमरून ने सिनेमा की तकनीक का भविष्य गढ़ा है।

लाइफ Style

पेरिस में हर साल 'ले बाल डेस डेब्यूटेंट्स' आयोजित होता है, जिसे ले बाल भी कहा जाता है। यह एक सालाना फैशन इवेंट है, जहां दुनियाभर के प्रतिष्ठित व शाही परिवारों की बेटियां डेब्यू करती हैं। इस साल एला वाडिया ने उपस्थिति दर्ज कराई और अपने लुक से इस इवेंट में छा गईं।

खूबसूरत लुक से लूटी लाइमलाइट

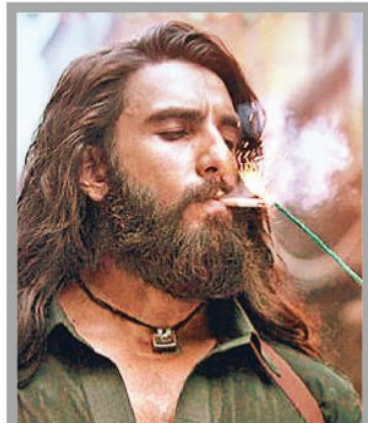
एजेसी पेरिस

फेशन इवेंट 'ले बाल' हर साल नवंबर में पेरिस में आयोजित होता है। यहां दुनियाभर के फिल्म, राजनीति, बिजनेस व अन्य प्रतिष्ठित घरानों की बेटियां इंटरनेशनल सोसाइटी के सामने औपचारिक रूप से रूबरू होती हैं। यह सिर्फ फैशन से जुड़ा इवेंट नहीं है, बल्कि इसका ताल्लुक पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा और प्रतिष्ठा से भी है। इस बार भारतीय एला वाडिया ने भी इवेंट में उपस्थिति दर्ज कराई और छा गईं। पेरिस के इस इवेंट में भारतीय नाम एला वाडिया की चर्चा हो रही है। मगर, उनका कनेक्शन मोहम्मद अली जिन्ना से है। बता दें कि एला वाडिया भारत के प्रतिष्ठित बिजनेस घराने वाडिया ग्रुप से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता जहांगीर वाडिया का ताल्लुक बॉम्बे डाइंग, बॉम्बे रियलिटी और गो फस्ट जैसी कंपनियों से रहा है। वहीं, मां सेलीना वाडिया फेशन डिजाइनर हैं। एला वाडिया अगर भारत के वाडिया ग्रुप से ताल्लुक रखती हैं तो मोहम्मद अली जिन्ना से उनका कनेक्शन कैसे हुआ? इसका जवाब यह है कि जिन्ना की बेटा दीना जिन्ना ने नेविल वाडिया से शादी की थी। उनके बेटे नुस्ली वाडिया हुए। नुस्ली वाडिया ग्रुप के चेयरमैन हैं। उनके दो बेटे-नेस वाडिया और जहांगीर वाडिया हैं।



मिसेज देशपांडे का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित अपने नए शो 'मिसेज देशपांडे' के साथ ओटीटी पर आने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नागेश कुकुनूर के निर्देशन में बना शो 'मिसेज देशपांडे' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि माधुरी दीक्षित का किरदार कुछ लोगों को रस्सी के जरिए मार देता है। पुलिस केस की जांच करती है और कहती है कि इन लोगों को नायलॉन की रस्सी से मारा गया है और शीशे के सामने



धुरंधर के टाइटल ट्रैक पर किया धांसू डांस

मुंबई। मुंबई में सोमवार को रणवीर सिंह को आने वाली फिल्म 'धुरंधर' का म्यूजिक एल्बम लॉन्च हुआ। इस मौके पर रणवीर ने फिल्म के टाइटल ट्रैक पर मंच पर खूब डांस किया और अपनी धमाकेदार एनर्जी से सबको हैरान कर दिया। रणवीर का यह वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस कार्यक्रम में रणवीर के साथ अभिनेत्री सारा अर्चुन और रैपर-गायक हनुमानकाईड भी मौजूद थे। रणवीर पूरे काले कपड़ों में



शादी के 7 साल पूरे होने का मनाया जश्न

लॉस एंजिल्स। देशी गर्ल प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की शादी को 7 साल बीत चुके हैं। मंगलवार को प्रियंका और निक की वैडिंग एनिवर्सरी थी। इस खास मौके पर निक ने प्रियंका की एक हॉट तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की और एक खास नोट भी लिखा। इसमें प्रियंका जसद किन्ना लेनी खई हैं। पीन कैप्शन की तफक थी। निक ने

टीवी मसाला



7वें सीजन के साथ लौट रहा एकता का सुपर नेचुरल शो नागिन...

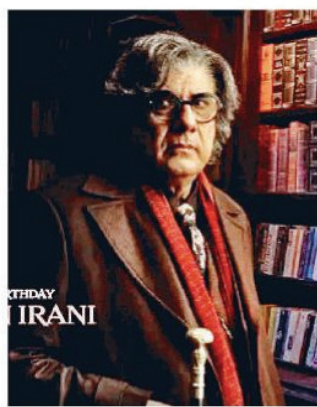
नाई दिल्ली। एक और मजेदार ड्रामा के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि एकता कपूर का मॉस्ट अवेटेड शो नागिन सातवें सीजन के वापस आ रहा है। जिसमें प्रियंका वाकर चौधरी को रहस्यमयी नागिन का रोल निभाने के लिए लिया गया है। 29 साल की एक्ट्रेस को बिग बॉस सीजन 16 में सेकंड रनर-अप रहने के बाद पहचान मिली थी। प्रियंका से पहले नागिन का आइकॉनिक रोल मीना रॉय, सुरभि जर्जात, निखा शर्मा, सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश ने किया था। इस शो को दर्शकों ने बहुत पसंद किया है और अब एकता कपूर के शो का 7वां सीजन फिर से अग्रपंक्ति पर स्टार्ट करने के लिए तैयार है। हिंदी सोप-ओपेरा का सातवां सीजन 27 दिसंबर से कलर्स टीवी चैनल पर हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे प्रसारण होगा। नागिन सीजन 7 उसी तारीख को उसी समयजियोहोस्टार पर रिलीज किया जाएगा। सीजन 7 इस दिसंबर में अपना जादू चलाने के लिए तैयार है। नागिन सीजन 7 के लेटेस्ट प्रोमो में प्रियंका वाकर चौधरी को एक नागसू औरत से रूप बदलने वाली नागिन ने बदलते हुए दिखाया गया है। कहानी महकुम मेले पर सेट है, जो एक आने वाले 'महायुद्ध' (बड़े युद्ध) का इशारा देती है। जहां इशा सिंह का कैरेक्टर प्रियंका के साथ नाग मंदिर को घूरता हुआ दिखाई देता है, जिसका डुअल-रुक सामने आता है, वहीं करण कुंद्रा का कैरेक्टर वेतावनी देता है कि तबाही शुरू हो गई है।

मैं शेर नहीं जंगल का मालिक हूँ : गौरव

नाई दिल्ली। बिग बॉस 19 अब खत्म होने जा रहा है। शो का फिनाले 7 दिसंबर को होने वाला है, जिसमें पता चल जाएगा कि इस साल बिग बॉस की टॉपी कौन अपनी घर लेकर जाने वाला है। शो के फिनाले तक में मीडिया कंट्रेण्ट से मिलने के लिए आती है जिसमें पूरे सीजन के तीखे पक्षाल उन्को पूछे जाते हैं। इस सीजन में मीडिया एपिजोड में कुछ ऐसा हुआ है, जो आज तक बिग बॉस की हिस्ट्री में नहीं हुआ है। गौरव खन्ना कहते हैं, 'अगर मैं जंगल के प्यार से विनर बन गया तो मैं आपको बला रहा हूँ, शायद आप न मानें, ये बहुत से लोगों के लिए है। इंप्रेशन रहेगा कि आप बिग बॉस-गलीज किंग, बिग मल्टी स्टैड लिए भी शो जीत सकते हैं। अगर मैं अभिन्न कर रहा हूँ तो मुझे ऑफर दिया जाए। कोई भी एक्टर ऐसे शो में 24 घंटे इस तरह से एक्टिंग नहीं कर सकता है। ये बात मैं नहीं हमारे शो के सुपरस्टार खलनाम सर हैं, उन्होंने ही बोला है। टैटस ऑफ इन्डियन को अगर ये एक्टिंग है। मैं शेर नहीं, उस जंगल का मालिक हूँ, जिसमें शेर छुपकर छुपते हैं। गौरव का ये जवाब सुनकर रिपोर्टर उनके लिए ताली बजाने लगे हैं।

राजासाब से बोमन का हाथ में छड़ी तिरछी नजर और इंटेंस लुक आउट

नाई दिल्ली। हॉरर फैंटेसी फिल्म 'द राजासाब' के मेकर्स ने बोमन ईरानी के जन्मदिन पर उनका एकदम नया लुक पोस्टर दिखाया, जो इंडियन सिनेमा के सबसे बसेटाइल परफॉर्मर्स में से एक को टिब्यूट है। मार्सल के डायरेक्शन में बना 'द राजासाब' एक आने वाली तेलुगु फिल्म है जिसमें प्रभास लीड रोल में हैं और यह जनवरी 2026 में संक्रांति के त्योहार के मौसम में थिएटर में रिलीज होगी। द राजासाब में बोमन ईरानी एक साइक्रेटिस्ट, हिप्नोटिस्ट और पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर का रोल निभा रहे हैं। यह एक ऐसा कैरेक्टर है जो इंटेलिक्चुअल और मिस्टीरियस से भरा हुआ है। फिल्म के ट्रेलर में पहले ही दिखाया गया है कि वह प्रभास के हीरो को हिप्नोसिस में डालते हैं, जिससे कहानी का पहला बड़ा ट्विस्ट आता है और कहानी की इमोशनल पल्लव शुरू होती है। राजासाब को पीपल मीडिया



फैक्ट्री और आईवीवाई एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और संजय दत्त भी हैं। यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

वो पांच अभिनेत्रियां, जिन्होंने अपनी सहेली के पति से रचाया विवाह

नाई दिल्ली। हॉलीवुड में कई ऐसी लव स्टोरीज हुई हैं जो दोस्तों से प्यार में बदल गईं, लेकिन कुछ मामलों में ये विवाहों का कारण भी बनीं। यहां हम बात कर रहे हैं उन पांच एक्ट्रेस की, जिन्होंने अपनी करीबी सहेली के पति से शादी की। हॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने अपनी सहेली के पति से शादी रचाई है, मले ही वो उनकी दूसरी बीवी कहलाईं। इन हिस्ट्री में पांच अभिनेत्रियों के नाम शामिल हैं, जिनके बारे में सुनकर आपको जश्न होना होगा। हॉलीवुड की सबसे कंट्रोवर्शियल लव स्टोरीज में से एक है, जिनके बारे में जानकर आपको हैरानी जरूर होगी।



थिलपा श्रेयी : फिटनेस फ्रीक थिलपा श्रेयी ने 2009 में राज कुंद्रा से शादी की। राज पहले कविता कुंद्रा से शादीशुदा थे, जो थिलपा की अर्धकी बेटी थीं। तलाक के बाद राज और थिलपा ने शादी की, जिससे हॉलीवुड में खूब नांसिप हुई। आज दोनों खुशहाल हैं और दो बच्चों के माता-पिता हैं।

अमृता अरोड़ा : मलाइका अरोड़ा की बहन अमृता ने 2002 में बिजनेसमैन शकील लदाक से शादी की। शकील पहले निशा राणा से शादीशुदा थे, जो अमृता को क्लोज फ्रेंड थीं। तलाक के बाद अमृता ने शकील से शादी की। ये जोड़ी आज भी स्ट्रॉन्ग है। शकील की नेट वर्थ करीब 87 करोड़ रुपये बताई जाती है।

सोनिया कपूर : टीवी एक्ट्रेस सोनिया कपूर ने 2018 में हिमेश रेशमिया से शादी की। हिमेश पहले कोमल से शादीशुदा थे, और कोमल सोनिया की अर्धकी सहेली थीं। 2017 में हिमेश-कोमल का तलाक हुआ, उसके बाद सोनिया ने हिमेश से शादी की। इस शादी ने भी काफी सुर्खियां बटोरीं।

रवीना टंडन : रवीना ने 2004 में फिल्ममेकर अनिल खड्का से शादी की। अनिल पहले ताशा सिप्पी से शादीशुदा थे, जो हॉलीवुड प्रोड्यूसर रोम सिप्पी की बेटी और रवीना की बेटे फ्रेड थीं। रवीना और अनिल की मुलाकात फिल्म 'स्टॉक' के सेट पर हुई, और अनिल के तलाक के बाद दोनों ने शादी कर ली।

पहली बार किसी रीजनल भाषा की फिल्म ने छुई हैं इतनी ऊंचाइयां

रिलीज से पहले ही इस सस्पेंस थ्रिलर ने कमाए 350 करोड़

नाई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर कमाई की तय करती है कि कोई फिल्म सक्सेसफुल हुई या नहीं। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर सफल होने के लिए पहले फिल्म को थिएटर में रिलीज होना पड़ता है, जिसके बाद ऑडियंस फिल्म देखती है और अगर फिल्म अच्छी निकली तब ज्यादा से ज्यादा दर्शक उसे देखने आते हैं। लेकिन, एक फिल्म ऐसी भी है जिस पर लोग अंधे मुंदकर भरोसा कर रहे हैं, वो भी इतना कि अभी इस फिल्म का एक सीन भी शूट नहीं हुआ है और इसने बिना रिलीज हुए ही 350 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है।

लोका : चैप्टर 1 को छोड़ा पीछे

यह एक मलयालम फिल्म है जिसकी शूटिंग अभी शुरू भी नहीं हुई है और इसने पहले ही 350 करोड़ रुपए की जाबरदस्त कमाई कर ली है। यह फिल्म है दृश्यम 3 जो सबसे सफल सिनेमाई फ्रेंचाइजी में से एक का आखिरी चैप्टर है, जिसका सबको इंतजार था और इसकी प्री-रिलीज कमाई में अब हाल की कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है, जिसमें महेश्वर लोका: चैप्टर 1 भी शामिल है।

दृश्यम 3 को लेकर बढ़ा क्रेज

मोहनलाल और जीतू जोसेफ दृश्यम 3 को लेकर वापस आ गए हैं और फिल्म को लेकर उन्मीदें बढ़ गई हैं, खासकर प्रोड्यूसर प्स रंजित के एक चौकाने वाले बयानों के बाद। फिल्म के बारे में बात करते हुए, रंजित ने कन्फर्म किया कि प्रोजेक्ट ने प्री-रिलीज बिजनेस में पहले ही 350 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रोड्यूसर कुमार मंगल पाठक और अभिनेक पाठक के फोनरमा स्टूडियो ने फिल्म के थिएटरिकल, ओवरसीज और डिजिटल राइट्स के साथ-साथ हिंदी वर्जन बनाने के राइट्स भी खरीद लिए हैं। इस डील ने मलयालम इंडस्ट्री में एक नया बेंचमार्क सेट किया है, यह पहली बार है जब किसी रीजनल भाषा की फिल्म ने बिना फुटेज, टीजर या रिटलस के इतनी ऊंचाई छुई है।

कहानी कहने का एक कल्चरल सिंबल बन गई



बाहर सालों में दृश्यम एक मामूली बजट वाली सस्पेंस ड्रामा से मलयालम कहानी कहने का एक कल्चरल सिंबल बन गई है। पहली फिल्म ने 100 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए, दूसरी ने महामारी को हराकर 350 करोड़ रुपए का आंकड़ा छुआ और तीसरी ने एक भी फ्रेम कैप्चर होने से पहले ही रिकॉर्ड बना दिए। अब सबसे बड़ा सस्पेंस बॉक्स ऑफिस नंबर में नहीं, बल्कि कहानी में है, कौन सी कहानी उज उन्मीदों के लेवल से मेल ख सकेगी है जो उसने पहले ही जगा दी है। सिर्फ जीतू जोसेफ और मोहनलाल के पास रिफ्ट है और देश भर के दर्शक यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि आखिरी चैप्टर कैसे सामने आएगा।

हिंदी वर्जन में की धांसू कमाई

जीतू जोसेफ के डायरेक्शन में बनी और मोहनलाल और मीन स्टारर यह फिल्म जल्द ही पूरे देश में रिलीज बन गई, यहां तक कि जपान में भी इसके बहुत सारे फेस बन गए। इसकी दिलचस्प कहानी ने जल्द ही तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में रीमेक बनाने की प्रेरणा दी। जीतू जोसेफ ने खुद कमल हासन के साथ तमिल अडैप्टेशन डायरेक्ट किया, जबकि श्रीपथ ने तेलुगु वर्शन की जिम्मेदारी संभाली, पी वार्स ने कन्नड़ रीमेक को डायरेक्ट किया और स्वामीय निशिकान्त कामत ने उड़यत देवन और श्रेय स्वरन स्टारिंग हिंदी एडिशन की डायरेक्ट किया। अकेले हिंदी वर्जन ने लगभग 1,800 करोड़ रुपए कमाए, जिससे इस फ्रेंचाइजी की पहचान भारत की सबसे मजबूत स्टोरीटेलिंग एक्सापोजर्स में से एक के तौर पर पक्की हो गई।

रिलीज से पहले मचाई हलचल

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दृश्यम 3 ने शूटिंग शुरू होने से पहले ही 350 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है। यह फिल्म को लेकर उन्मीदें बढ़ गई हैं, खासकर प्रोड्यूसर प्स रंजित के एक चौकाने वाले बयानों के बाद। फिल्म के बारे में बात करते हुए, रंजित ने कन्फर्म किया कि प्रोजेक्ट ने प्री-रिलीज बिजनेस में पहले ही 350 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रोड्यूसर कुमार मंगल पाठक और अभिनेक पाठक के फोनरमा स्टूडियो ने फिल्म के थिएटरिकल, ओवरसीज और डिजिटल राइट्स के साथ-साथ हिंदी वर्जन बनाने के राइट्स भी खरीद लिए हैं। इस डील ने मलयालम इंडस्ट्री में एक नया बेंचमार्क सेट किया है, यह पहली बार है जब किसी रीजनल भाषा की फिल्म ने बिना फुटेज, टीजर या रिटलस के इतनी ऊंचाई छुई है।

पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किसानों की सुविधा को दें प्राथमिकता : जयवर्धन

0 जिले के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण 0 किसानों से बातचीत कर व्यवस्था की ली जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। गुरुवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन जिले के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बसदई, शिवप्रसादनगर, संवारावा, रामपुर तथा ओड़गी धान खरीदी केन्द्रों में व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत कर खरीदी केन्द्रों की व्यवस्था की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने धान खरीदी की वर्तमान स्थिति, किसान पंजीयन, रकबा समर्पण तथा किसानों की उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित हो और किसान को किसी प्रकार की भी समस्या न हो। साथ ही उन्होंने टोकन व्यवस्था, तौल मशीन और धान में नमी स्थिति का निरीक्षण करते हुए धान भंडारण की व्यवस्था की भी जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों और समिति प्रबंधकों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किसानों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए।

एसडीएम सूरजपुर एवं एसडीएम ओड़गी द्वारा भी विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। एसडीएम तेलईमुड़ा में व्यवसायी के गोदाम व पिकप से 250 बोरा अवैध धान जप्त शासन के निर्देशानुसार अवैध के व्यापारी द्वारा अवैध रूप से धान का भंडारण किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए एसडीएम श्री मोडियम ने जब्त किया गया। नियम विरुद्ध भंडारण पाए जाने पर एसडीएम के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से व्यापारी राजेश साहू के गोदाम

के व्यापारी द्वारा अवैध रूप से धान का भंडारण किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए एसडीएम श्री मोडियम ने जब्त किया गया। नियम विरुद्ध भंडारण पाए जाने पर एसडीएम के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से व्यापारी राजेश साहू के गोदाम

के व्यापारी द्वारा अवैध रूप से धान का भंडारण किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए एसडीएम श्री मोडियम ने जब्त किया गया। नियम विरुद्ध भंडारण पाए जाने पर एसडीएम के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से व्यापारी राजेश साहू के गोदाम

के व्यापारी द्वारा अवैध रूप से धान का भंडारण किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए एसडीएम श्री मोडियम ने जब्त किया गया। नियम विरुद्ध भंडारण पाए जाने पर एसडीएम के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से व्यापारी राजेश साहू के गोदाम



सुश्री शिवानी जायसवाल ने सूरजपुर धान खरीदी केंद्र पहुंचकर संपूर्ण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, तौल प्रक्रिया, टोकन व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। वहीं, एसडीएम ओड़गी अजय मोडियम द्वारा धान खरीदी केंद्र समिति उमेश्वरपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि समिति में अब तक 81सी क्विंटल धान का क्रय किया जा चुका है और किसानों के लिए पर्याप्त बारदाना उपलब्ध है। उन्होंने धान खरीदी में पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास हेतु कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। राज्य परियोजना कार्यलय समग्र शिक्षा

गया। प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग बच्चों के दैनिक जीवन कौशल, थैरेपी, दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया, प्रदत्त एलाउंस, सहायक

मिशन संचालक समग्र शिक्षा एस. जयवर्धन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले के निर्देशानुसार यहां के कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यशाला का प्रारंभ सहायक परियोजना समन्वयक शोभनाथ चौबे के उद्बोधन से हुआ। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर की भूमिका का निर्वहन प्रमोद कुमार टण्डन तथा राधानन्दी द्वारा किया



उपकरणों के रख-रखाव, बच्चों की देखभाल तथा शासन की विभिन्न योजनाओं संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक संचालक समग्र शिक्षा रविन्द्र सिंह देव, दिनेश द्विवेदी, सुरविन्द गुर्जर, तथा आया एवं अटेंडर मंजू दूबे, बलराम ठाकुर, सुदर्शन दास एवं ईश्वर सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अवैध धान परिवहन पर कलेक्टर की कड़ी निगरानी

देर रात अंतर्राज्यीय अनिरुद्धपुर नाका का आकस्मिक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने बीते दिवस देर रात लगभग 1 बजे तहसील रामचंद्रपुर के

आने वाले समस्त वाहनों की जांच कर रजिस्टर में एंटी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कटारा ने अधिकारियों को

तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन कि सर्वोच्च प्राथमिकता है कि शासन के किसान हितैषी नीतियों का लाभ केवल पात्र किसानों को मिले। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।



अंतर्गत अंतर्राज्यीय अनिरुद्धपुर नाका पहुंचकर अवैध धान परिवहन की रोकथाम हेतु आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटीरत कर्मचारियों को

निर्देशित किया कि सीमा नाकों पर चौकसी और अधिक बढ़ाई जाए और बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों की सघन जांच करें तथा संदिग्ध पाए जाने पर

तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन कि सर्वोच्च प्राथमिकता है कि शासन के किसान हितैषी नीतियों का लाभ केवल पात्र किसानों को मिले। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

तारकेश्वरपुर में आयोजित करमा नृत्य प्रतियोगिता में प्रेमनगर की टीम रही विजेता

विधायक भूलन बोले- आदिवासी परंपराओं और संस्कृति को आगे बढ़ाने की दिशा में सरकार की सराहनीय पहल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। जिले के प्रेमनगर विकासखंड के ग्राम तारकेश्वरपुर में करमा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल ग्राउंड में आयोजित उक्त प्रतियोगिता में जनपद क्षेत्र के विभिन्न गांवों के करमा नर्तक दलों ने उत्साह से भाग लिया। मादर की थाप पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने करमा गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रस्तुतियों में जनजातीय संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिली। निर्णायक मंडल ने नृत्य कला, गायन, वाद्ययंत्र, वेशभूषा और लय-ताल के आधार पर प्रतिभागी दलों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में नगर पंचायत प्रेमनगर की दिल साय मर्याच्छी एवं टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्राम पंचायत रिखी की देवसाय एवं साथी की टीम द्वितीय स्थान पर रही, जबकि करमा नर्तक दल गणेशपुर और बकालो ने तृतीय स्थान पाया था, तीसरे स्थान के लिए सिक्का उछाला गया जिसमें गणेशपुर ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को क्रमशः 51 सौ रुपये और मादर और 31 सौ रुपये और मादर के साथ ट्रॉफी प्रदान



की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि करमा त्यौहार का आयोजन आदिवासी परंपराओं और संस्कृति को आगे बढ़ाने की दिशा में सरकार की एक सराहनीय पहल है। इस अवसर पर करमा प्रतियोगिता के अध्यक्ष सोनसाय, नेम सिंह, जनपद उपाध्यक्ष पुनिया राजवाड़े, जनपद सदस्य अमीन बाई, भाजपा मण्डल अध्यक्ष मिथिला बंजारा, कंचन श्याम, वीरेंद्र जायसवाल, कविता साहू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगमोहन सिंह, श्यामपुर के सरपंच की टीम नारायण सिंह रामलाल, ग्राम के उप सरपंच रमेश साहू, पंच फुलेश्वर राजवाड़े, बेला बाई, राजूदन सिंह, सुभाष साहू बसंती, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच-पंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक नृत्य और सामूहिक उत्सव के साथ हुआ।

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। विश्व दिव्यांगजन दिवस पर जिले के समस्त 06 विकासखंडों से दिव्यांग छात्र, छात्राओं की उपस्थिति में यहां के कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के क्रीडांगन में खेल-कूद, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।

अलग करना, मानसिक मंद बच्चों के लिए 50 मीटर दौड़, साँप बाल श्रो, चित्रकला प्रतियोगिता बालक एवं

अंकित प्रजापति, विकासखण्ड प्रेमनगर, बालिका वर्ग में कुमारी सरिता सिंह, विकासखण्ड ओड़गी, कुर्सी

वर्ग से कुमारी निर्मला राजवाड़े, रामानुजगर, कुर्सी दौड़ में बालिका वर्ग से कुमारी प्रियंका सिंह, प्रेमनगर, बालक वर्ग से

घरभरन राजवाड़े, जलेबी दौड़ बालिका वर्ग से कु. काजल, रामानुजगर ने स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन एवं पुरस्कार वितरण विश्व दिव्यांगजन दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम, रंगमंच मैदान में महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक, भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम अध्यक्ष, रामसेवक पैकरा हाथों प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र छात्राओं को पुरस्कार तथा सभी प्रतिभागी को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।



बालिकाओं के लिए अलग-अलग आयोजन किया गया। इसी प्रकार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में एकल गीत, एकल नृत्य, प्रतियोगिता का आयोजन भी सभी बालक बालिकाओं के लिए किया गया। आयोजित कार्यक्रमों में विकासखण्ड स्तर से चयनित लगभग 100 दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर अस्थिबाधित बच्चों के लिए गोला फेक, कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, दृष्टिबाधित बच्चों के लिए मिश्रित मोतियों को अलग-

दौड़ में बालिका वर्ग सरोज राजवाड़े, सूरजपुर, बालक वर्ग में सेवन कुमार, ओड़गी, जलेबी दौड़ में बालिका वर्ग में कुमारी निर्मला राजवाड़े, रामानुजगर, बालक वर्ग में रुद्र राजवाड़े, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान पर गोला फेक बालक वर्ग में अंकित प्रजापति, वि.ख. प्रेमनगर, बालिका वर्ग में कुमारी निर्मला राजवाड़े, वि.ख. रामानुजगर, 50 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से घरभरन राजवाड़े, सूरजपुर, बालिका

अंकित प्रजापति, प्रेमनगर, जलेबी दौड़ में बालिका वर्ग से कुमारी पार्वती राजवाड़े, सूरजपुर, बालक वर्ग से धनेश्वर, सूरजपुर इसी प्रकार इन प्रतियोगिताओं में तृतीय स्थान पर गोला फेक बालक वर्ग पंकज सिंह, ओड़गी, बालिका वर्ग से मायावती सिंह, सूरजपुर, 50 मीटर में बालक वर्ग से रुद्र राजवाड़े, सूरजपुर, बालिका वर्ग में भूमिका काषी, भैयाथान, कुर्सी दौड़ में बालिका वर्ग से भगवंती, भैयाथान, बालक वर्ग से

कार्यक्रम को सफल बनाने में शोभनाथ चौबे, सहा.कार्यक्रम समन्वयक, दिनेश द्विवेदी, सुरविन्द कुमार गुर्जर, मनोज मण्डल, मनोज साहू, बी.आर.सी., सुमन वर्मा, राधानन्दी, विनोद कुमार यादव, रामाकांत नर्मदा, किशोर मुखर्जी, प्रमोद कुमार टण्डन बी.आर.पी. समावेशी शिक्षा, योगेश चन्द्रावर, कु. नीलम पटेल, अल्फरहा खान स्पेशल एजुकएटर, सहदेव राम रवि, बालेन्द्र साहू, जितेंद्र साहू, दिनेश साहू, पी. गेन्द्रे, ईश्वर सिंह, बलराम ठाकुर, सुदर्शन सिंह एवं पंचम राम टोपों का कार्य सराहनीय रहा।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

निविदा सूचना क्रमांक 17/व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.ख./2025 सूरजपुर, दिनांक 26.11.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

गृहबंध निविदाये उत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रतिशत दर पर प्रपत्र "अ" पर प्रतिशत दर में उत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग छ0ग0 रायपुर के द्वारा दिनांक 01.07.2020 को जारी एसओआर व निविदा आमंत्रण तिथि तक एसओआर में हुए समस्त संशोधनों सहित लागू होगी, व लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

समूह क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओड़गी के ग्राम कुदरगढ़ में में मां बागेश्वरी धाम मेला परिसर में जल वितरण प्रणाली हेतु 40 कि.मी. क्षमता 15 मी. स्ट्रेजिंग के आर.सी.सी. उच्चस्तरीय जलागार एवं पार्षद का प्रदाय, विधाने एवं टेस्टिंग का कार्य समस्त फिटिंग सहित सलंगन शेड्यूल के अनुसार।	19.05

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 08.12.2025 है, एवं निविदा की अन्य शर्तें तथा कार्य की विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
सूरजपुर

जी-252605213/2

विश्व दिव्यांगता दिवस पर दिव्यांग बच्चों के लिए खेल-कूद आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य परियोजना कार्यलय समग्र शिक्षा रायपुर के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम.आर. यादव के नेतृत्व जिला मिशन समन्वयक श्री चंद्रभूषण प्रसाद, ए.डी.पी.ओ. श्री ओम प्रकाश गुप्ता एवं ए.पी.सी. श्री विनोद कुमार पटेल के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों में समावेशी शिक्षा अंतर्गत विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर दिव्यांग बच्चों के लिए जिला स्तरीय विशेष खेल-कूद एवं सांस्कृतिक

कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर के खेल मैदान में आयोजित किया गया। दिव्यांग बच्चों के लिए खेल-कूद में कुर्सी दौड़ (अपर लिंब प्रभावित बच्चों हेतु), कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, 100मी. दौड़, 25मी. दौड़ (निर्धारित आवाज/ध्वनि लक्ष्य की ओर), मटकाफोड़, 50मी. दौड़ का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, (एकल गीत, एकल नृत्य, समूह गीत,



समूह नृत्य) आदि गतिविधियां व्यायाम शिक्षक श्री प्रदीप एका एवं अन्य सहयोगी शिक्षकों के माध्यम से कराया गया। कार्यक्रम में कुल 71 दिव्यांग

बच्चों ने भाग लिया तथा 43 शिक्षक/पालक, 10 बी.आर.पी./स्पेशल एजुकएटर उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित जी अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिला मिशन समन्वयक श्री चंद्रभूषण प्रसाद, ए.डी.पी.ओ. श्री विनोद पटेल, आनंद प्रकाश गुप्ता, कन्या/बालक उ.मा.वि. के प्राचार्य शिक्षकगण, पालक एवं स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

सरगुजा फ्रंटलाइन

संपर्क करें

समाचार, ईशतहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।

दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर

मो. 7566950555
9713108088

सांसद चिंतामणि के सवाल पर रेलमंत्री बोले, अंबिकापुर-बरवाडीह रेल लाइन को दी गई है मंजूरी

सांसद भवन में सरगुजा सांसद ने रेल परियोजनाओं को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से पूछे थे सवाल, रामानुजगंज-गढ़वा सहायक लाइन को भी दी गई मंजूरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा रेलवे संघर्ष समिति द्वारा अंबिकापुर-रेणुकट रेलमार्ग की स्वीकृति को लेकर हल्ला बोल किया गया था। समिति द्वारा रेलवे के सर्वे के अनुसार अंबिकापुर-रेणुकट रेलमार्ग को फायदे तथा अंबिकापुर-बरवाडीह रेलमार्ग को घाटे का सौदा बताया गया था। इधर सांसद चिंतामणि महाराज द्वारा सांसद में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सरगुजा क्षेत्र में रेल परियोजनाओं के संबंध में सवाल पूछे गए, इसके जवाब में रेल मंत्री ने कहा अंबिकापुर-रामानुजगंज-बरवाडीह तथा रामानुजगंज-गढ़वा रेलमार्ग को मंजूरी दे दी गई है। इससे सरगुजावासियों के उस उम्मीद को झटका लगा, जिसमें अंबिकापुर-रेणुकट रेलमार्ग की मांग की गई थी।

सांसद के पटल पर सांसद चिंतामणि महाराज द्वारा पूछे गए सवाल पर रेलमंत्री ने कहा कि अंबिकापुर क्षेत्र को कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल में कई महत्वपूर्ण सर्वेक्षण

लेनदेन की बात को लेकर युवक पर टांगी से हमला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। रुपये के लेनदेन को लेकर युवक पर टांगी से हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटेल पारा में नर्स के पद पर पदस्थ रामकुंवर दास ने पुलिस को बताया है कि दो दिसम्बर को सुबह 10 बजे वह ड्यूटी पर गई थी। सुबह करीब 10.45 बजे मोहल्ले के अमरार ने फोन करके बताया कि उसके लड़का आयुब को सुबह करीब 10.30 बजे नमनाकला पानी टंकी के पास मोहल्ले के छोटे एवं उसकी मां, रामकुमार और पवन-देन को लेकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर टांगी से चार किया गया है। इसकी सूचना मिलने पर जब वह मौके पर गई तो उसके पुत्र आयुब के सिर, छाती में चोट का निशान था और खून निकल रहा था। युवक का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। रिपोर्ट पर पुलिस ने चारों आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।

निधन: सूरज देवी

अंबिकापुर। ब्रम्हरोड निवासी अनूप कुमार सोनी व अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार सोनी की मां श्रीमती सूरज देवी का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया, वे अपने पीछे नाती, पोता सहित भ्रा-पूरा परिवार छोड़ गईं।

मधुमक्खी के हमला से बचने तालाब में कूदी महिला की नहीं बची जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जशपुर जिला के पथलगांव की वृद्ध महिला को मधुमक्खियों ने काटकर बुरी तरह से घायल कर दिया, उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक पथलगांव निवासी गुड्डू पति लक्ष्मी दास वैष्णव 60 वर्ष, दो दिसम्बर को अपनी जेठानी और देवरानी के साथ लकड़ी लेने के लिए जंगल गई थी। जंगल में सतवन के पेड़ से सूखी लकड़ी तोड़ते समय उसकी नजर मधुमक्खी के छत्रे पर नहीं पड़ी। सूखी लकड़ी खींचते समय अचानक मधुमक्खी भड़क गई और वृद्ध महिला मधुमक्खियों के घेरे में आ गई।



छत्तीसगढ़ के लिए रेल बजट में हुई वृद्धि

रेल मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में छत्तीसगढ़ के लिए रेल बजट आवंटन में काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 2009-14 के दौरान जहां औसत वार्षिक आवंटन 311 करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 6 हजार 925 करोड़ रुपये हो गया है, यह वृद्धि 22 गुना से अधिक है। उन्होंने यह भी कहा कि नए रेल लाइनों का कमीशनिंग भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा है। वर्ष 2009-14 के दौरान केवल 32 किलोमीटर (औसत 6.4 किलोमीटर प्रति वर्ष) रेल लाइनें कमीशन की गई थीं, जबकि वर्ष 2024-25 के दौरान 1 हजार 189 किलोमीटर (औसत 108.1 किलोमीटर प्रति वर्ष) रेल लाइनें कमीशन की गईं, यह 15 गुना से अधिक की वृद्धि है।

एवं परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। रेलमंत्री ने बताया कि बौरीडांड-अंबिकापुर-सुरजपुर दोहरीकरण परियोजना 80 किलोमीटर पर कार्य आरंभ किया जा चुका है। अंबिकापुर-रामानुजगंज-बरवाडीह नई रेल लाइन तथा रामानुजगंज-गढ़वा रोड सहायक लाइन 262 किलोमीटर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। इसी प्रकार सरडेगा-पथलगांव-अंबिकापुर नई रेल लाइन 218 किलोमीटर की

कन्हर अंतर्राज्यीय परियोजना अंतर्गत विस्थापितों को 8 वर्ष बाद भी भूखंड और मुआवजा नहीं मिला

प्रभावित अपनी भूमि खोने के बाद आर्थिक, सामाजिक, भौतिक असुरक्षा का कर रहे सामना

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर।

उत्तर प्रदेश के अमवार में लगभग 30 अरब रुपये की लागत से निर्मित अमवार बांध का अमर छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती गांवों पर लगातार पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ के ग्राम झारा सीमा से महज 6 किलोमीटर दूर बनाए गए इस बांध के कारण छत्तीसगढ़ के 6 गांव आंशिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। विस्थापन की भरपाई के लिए कन्हर अंतर्राज्यीय परियोजना, अमवार (उत्तर प्रदेश) द्वारा वर्ष 2015 में 70 करोड़ 34 लाख 30 हजार की राशि जल संसाधन विभाग, बैकुंठपुर (छत्तीसगढ़) को उपलब्ध कराई गई थी, ताकि राज्य के प्रभावित परिवारों को पुनर्वास एवं पुनर्बासट की



सुविधाएँ दी जा सकें। पुनर्वास के लिए छत्तीसगढ़ के ग्राम त्रिशूली में लगभग 37 एकड़ भूमि आरक्षित की गई थी। योजना के अनुसार डूब क्षेत्र के 32 प्रभावित परिवारों को 450 वर्ग मीटर का भूखंड और 7 लाख 11 हजार का पुनर्वास पैकेज प्रदान किया जाना था। इसके साथ ही पुनर्वास स्थल पर 3 करोड़ 63 लाख 19 हजार की

बी.एड के प्रशिक्षणार्थियों ने बनाई आकर्षक एड्स जागरूकता रंगोली



छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाष नगर में रेड रिबन क्लब इकाई अंतर्गत एक से छह नवम्बर तक एड्स जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में 04 दिसम्बर को रंगोली प्रतियोगिता हुई, जिसमें महाविद्यालय के बी.एड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों ने आकर्षक एड्स जागरूकता रंगोली बनाकर विद्यालय, महाविद्यालय स्तर पर छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया, ताकि वे दूसरों को भी जागरूक कर सकें। पीड़ितों से किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करने और एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति, सहयोग और सकारात्मक दृष्टिकोण रखने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा, कार्यक्रम अधिकारी रासेयो रानी रजक, रेड रिबन क्लब प्रभारी सविता यादव, सहायक प्राध्यापक उर्मिला यादव, मिथलेश कुमार गुर्जर, सुप्रिया सिंह, सीमा बंजारे, पूजा रानी, ज्योत्सना राजभर, अर्चना सोनवानी, गोल्डन सिंह एवं बी.एड के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति एवं सहभागिता रही।

ये काम हुए हैं स्वीकृत

रेल मंत्री ने बताया कि 1 अप्रैल 2025 की स्थिति में छत्तीसगढ़ राज्य में आंशिक या पूर्ण रूप से स्थित कुल 26 रेल परियोजनाएँ (6 नई लाइनें और 20 दोहरीकरण व मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएँ), 1 हजार 931 किलोमीटर लंबाई एवं 31 हजार 619 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से स्वीकृत की गई हैं। इनमें से 1 हजार 23 किलोमीटर लंबाई का कमीशनिंग पूर्ण किया जा चुका है तथा मार्च 2025 तक 16 हजार 325 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अंबिकापुर क्षेत्र सहित पिछले 3 वर्षों तथा चालू वित्त वर्ष (2022-23, 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26) में कुल 26 सर्वेक्षणों को कुल 3 हजार 901 किलोमीटर लंबाई को कवर करते हुए स्वीकृति प्रदान की गई है।

लंबे समय से हे अंबिकापुर-रेणुकट रेलमार्ग की मांग सरगुजावासियों द्वारा लंबे समय से अंबिकापुर-रेणुकट रेललाइन की मांग की जा रही है। इसकी डीपीआर अक्टूबर 2023 में रेलवे को सौंप दी गई थी। परियोजना की व्यवहारिकता और आर्थिक लाभ को देखते हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा ने इसके लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। अंबिकापुर-रेणुकट रेल लाइन उत्तर छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिससे धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक लाभ होंगे। यह दिल्ली, बनारस, कोलकाता, जबलपुर जैसे प्रमुख शहरों के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा, जिससे यात्रा का समय कम होगा। यह औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देगा। अंबिकापुर-बरवाडीह रेल मार्ग के विपरीत, अंबिकापुर-रेणुकट मार्ग को आर्थिक और व्यवहारिक दृष्टि से बेहतर माना जा रहा है। बरवाडीह-रेणुकट मार्ग के लिए पहले ही एक रेलवे लाइन बन चुकी है, जिससे अंबिकापुर-रेणुकट मार्ग को वैकल्पिक और कम दूरी का माना जा रहा है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी पूर्ण कर ली गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी पूर्ण कर ली गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी पूर्ण कर ली गई है।

राशि। खाली पड़ी सुविधाएँ अब धीरे-धीरे जर्जर होने लगी हैं, जबकि विस्थापित परिवार लगातार आश्वासन के सहारे वर्षों से इंतजार कर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पुनर्वास कार्यों को लेकर न तो स्पष्ट पहल हो रही है और न ही प्रशासन की ओर से समयबद्ध कार्रवाई। प्रभावित परिवार अपनी मूल भूमि खोने के बाद आर्थिक, सामाजिक और भौतिक असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने शासन से पुनर्वास प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से पूर्ण करने, भूखंड वितरण और मुआवजा की राशि देने की मांग की है, ताकि प्रभावित परिवार सम्मानपूर्वक नए स्थान पर अपना जीवन पुनः व्यवस्थित कर सकें।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय द्वारा कवि भगत सिंह विहंस का सम्मान



छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलगीत रचयिता शहर के विख्यात कवि सरदार भगत सिंह विहंस को कुलपति एवं विश्वविद्यालय परिवार द्वारा उनके निवास स्थान पहुंचकर सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. डॉ. राजेंद्र लखपाले सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति ने इस दौरान कहा यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय कुलगीत की रचना करने वाले शहर के प्रख्यात कवि हैं, उनके द्वारा कुलगीत की रचना की गई है। श्री विहंस शहर के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी रहे हैं, जिन्होंने विश्वविद्यालय के कुलगीत की रचना करने में अपना सहयोग प्रदान किया। 1953 को राजस्थान में जन्मे भगत सिंह विहंस 1970 से अंबिकापुर में कार्यरत हैं। उन्होंने इलेक्ट्रिकल्स में आईटीआई करने के पश्चात राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। वर्तमान में वे भारतेंदु साहित्य कला समिति के सचिवन सदस्य हैं। उनके द्वारा कई काव्य एवं गद्य विधाओं में रचनाएँ की हैं, जो कई पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं। भगत सिंह विहंस द्वारा पीपल की छंव, सपनों का भारत, सांझ-सवेरा जैसी कई पुस्तकों का सफल लेखन किया है। इस उपलब्धि के लिए उनका नाम पद्मश्री हेतु प्रस्तावित किया गया है।

सरगुजा में माइनिंग को बढ़ावा देने से लायन आर्डर बिगड़ने की स्थिति बन रही

पूर्व मंत्री ने कहा- सरकार श्वेतपत्र जारी करके बताए, कितने स्कूल बंद हुए, कितनी शराब दुकान खुली



छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने सरगुजा को अपने निवास में पत्रकारों से चर्चा करते हुए वर्तमान विष्णु देव साय सरकार के दो वर्षीय कार्यकाल और उत्सव मनाने की तैयारी पर कटाक्ष किया, और कहा कि जनता किस चीज का उत्सव मनाए? उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में 400 यूनिट हॉफ बिजली बिल योजना का लाभ मिल रहा था, जिसे वर्तमान भाजपा सरकार समाप्त कर दी है। अब 200 यूनिट हॉफ बिजली बिल योजना लागू करने की बात कहकर लोगों के साथ सरकार धोखा कर रही है। एक यूनिट भी बढ़ा तो बिजली बिल का उपभोक्ताओं को पूरा भुगतान करना पड़ेगा, इसलिए योजना का कोई औचित्य नहीं है। सरकार दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर जश्न मनाने से पहले स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक विकास की दिशा में क्या कार्य की, कितने स्कूल बंद किए, कितनी शराब की दुकानें खोली, इस पर श्वेत पत्र जारी करके स्पष्ट करे।

पूर्व मंत्री ने कहा सरगुजा जिले के मैनपाट में बिना ग्राम सभा प्रस्ताव लिए मैनपाट के कई ग्रामों में माइनिंग की तैयारी हो रही है, जिससे स्थानीय लोगों में असंतोष है। मैनपाट में पर्यटन की संभावनाएँ समाप्त हो रही हैं। सरकार पर्यटन और माइनिंग दोनों एक साथ करने की बात कर रही है, जो सरसर लोगों के साथ धोखा है। पर्यटन को नहीं माइनिंग को बढ़ावा देने में सरकार लगी है। लायन आर्डर

बैरीकेड से हुई टक्कर में घायल मोटरसाइकल सवार की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहीद समारोह में शामिल होकर मोटरसाइकल से घर वापस लौट रहा युवक को बैरीकेड से टक्कर हो गई, क्षेत्रीय अस्पताल से रिफर करने पर स्वजन उसे अंबिकापुर लेकर आ रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक जशपुर जिला के नारायणपुर थाना अंतर्गत ग्राम बिलासपुर निवासी राकेश गुप्ता पिता केदार गुप्ता 3 दिसम्बर को शाम करीब 4 बजे घर से अपने मोटरसाइकल में अकेले परिवार के ही शहीद पार्टी में शामिल होने के लिए घर से निकला था। रात करीब 11 बजे जशपुर के पतराटोली निवासी अरविन्द गुप्ता ने अभिषेक गुप्ता को बैरीकेड से टक्कर हो गया है, और वह रोड में बेहोशी की हालत में पड़ा है, इसे हेली क्रॉस अस्पताल कुनकुरी लेकर जा रहे हैं। सूचना पाकर वह अपने परिवार के साथ अस्पताल पहुंचा तो यहाँ उसका इलाज चल रहा था। बैरीकेड से हुई टक्कर में उसे सिर में चोट आई थी। चिकित्सक ने आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के बाद सिटी स्कैन कराने का सलाह देकर उसे रेफर कर दिया। 4 दिसम्बर को सुबह करीब 5.30 बजे वे शायल राकेश को लेकर हेली क्रॉस अस्पताल अंबिकापुर पहुंचे, यहां आपातकालीन वार्ड में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुर्द कर दिया है।

जंगली हाथी, जानवरों के रहवास का सफाया

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने सरगुजा के मैनपाट, अमेरा, महान एक, महान दो, रायगढ़ जिले के कछार एवं कोरबा क्षेत्र में अंधाधुंध जंगलों का सफाया किए जाने से जंगली हाथी, जानवरों के रहवास के कमी आई है। रहवासी क्षेत्र में हाथियों का प्रवेश हो रहा है। इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने में जनहानि, फसल हानि एवं घर तोड़ने की घटनाएँ लगातार हो रही हैं, जिससे आम जनता परेशान है। संबंधितों को पर्याप्त मुआवजा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा हमारी मांग है कि ऐसे ग्रामीणों को फसल हानि की लागत का दोगुना, मकान हानि के मामले में तीन कम्पे का पक्का मकान शौचालय युक्त एवं जनहानि पर 25 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए, जिससे ऐसी समस्या का सामना कर रहे लोगों को राहत मिले।

धान बेचने में किसानों को हो रही असुविधा

पूर्व मंत्री ने कहा 15 नवम्बर से धान खरीदी की शुरुआत हो चुकी है परंतु अभी तक पंजीयन, एग्रीस्टेक का काम पूर्ण नहीं हो सका है। रकबा त्रुटि व सुधार नहीं होने से किसान परेशान हैं। ऐसे में धान कैसे बेच पाएंगे, इसकी चिंता किसानों को है। वन भूमि पट्टाधारियों के लिए भी धान खरीदी की व्यवस्था नहीं हो पाई है, जिससे वनांचल में रहने वाले आदिवासी एवं अन्य परंपरागत लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बिगड़ने जैसी स्थिति बन रही है। पंचायत, ग्राम सभा की अनुमति लिए बिना किसी प्रकार का खनन कार्य अधिनियम का उल्लंघन है। विपक्ष के द्वारा लगातार इसका विरोध किया जा रहा है, और आगे भी करेगा, बात नहीं बनने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्होंने आगे कहा शासन-प्रशासन राजस्व बढ़ाने के लिए इस प्रकार का कार्य कर रहे हैं, विकास के नाम पर धूल, प्रदूषण फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका सरकार की है। घुनुगुदा नदी एवं मछली नदी के साथ अन्य जल स्रोत को क्षति पहुंचाने में कोई भी कसर नहीं छोड़ा जा रहा है। पर्यावरण विभाग द्वारा भी इसका ख्याल नहीं रखा जा रहा है। जमीन अधिग्रहण एवं मुआवजा भुगतान में भारी अनियमितता बरती जा रही है। केन्द्रीय भू-अधिग्रहण अधिनियम 2013 के अनुसार, चार गुना मुआवजा देने का प्रावधान है परंतु सरकार, प्रशासन एवं कर्पनियार्थी इसके विरुद्ध काम कर रही है, जो सरसर लोगों के साथ अन्याय है। पत्रकारों के सवाल पर पूर्व मंत्री ने कहा अमेरा माइन्स में कोयला खनन को लेकर ग्रामीणों, एस.ई.सी.एल. व पुलिस के बीच झड़प एवं लाठी चार्ज जनभावना के विपरीत है। बिना सहमति एवं नौकरी के खनन संभव नहीं है। शासन-प्रशासन एवं एस.ई.सी.एल. को आपसी सहमति करने के उपरान्त ही खनन का काम करना चाहिए। हसदो अन्धकार क्षेत्र में भी पेट्रोल को काटकर पर्यावरण को अप्रुणीय क्षति पहुंचाई जा रही है। इस दौरान लक्ष्मी गुप्ता, परशुराम सोनी, सुरेश गुप्ता, दीपक मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम में हुई नियुक्ति की जांच की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज बलरामपुर के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर ने राज्य एवं केंद्र सरकार के शीर्ष पदाधिकारियों को पत्र लिखकर वर्ष 2012-13 में छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम, रायपुर में हुई कथित अनियमित भर्ती पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अध्यक्ष ने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। जिला अध्यक्ष द्वारा भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि निगम में क्षेत्राधिकारी, मुख्य अनुदेशक, अंकेक्षक एवं सहायक ग्रेड-3 के पदों पर हुई नियुक्तियां नियमों के विपरीत, वित्त विभाग की अनुमति के बिना तथा विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से की गईं। वहीं सहायक निगमों के अंतर्गत संचालित निगमों में 2012-13 में हुई भर्ती प्रक्रिया वित्त विभाग की अनुमति बिना संचालित की गई। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जारी वर्ष 2006 के आदेश में केवल पदोन्नति के बाद शेष रिक्त पद भरने की बात कही गई थी, इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों ने इसे सीधी भर्ती की अनुमति मानकर विज्ञापन जारी कर दिया। विभागीय नियमों के अनुसार क्षेत्राधिकारी के 40 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति आवश्यक थी, परंतु पदोन्नति प्रक्रिया को दरकिनार कर सीधे भर्ती की गई। जारी विज्ञापन एवं स्वीकृत सेटअप में पदों की संख्या में विसंगतियां, नियुक्ति आदेशों के पदनामों में अनाधिकृत बदलाव, तथा पदोन्नति में सेटअप के विरुद्ध निर्णय लेने के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि कुछ अधिकारियों ने अपने प्रभाव का उपयोग कर मनमानी नियुक्तियां, सेटअप परिवर्तन, और वरिष्ठता से खिलवाड़ करते हुए कई कर्मचारियों का हक छीना। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कथित अनियमित प्रक्रिया के कारण शासन को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। अध्यक्ष ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ प्रभावित कर्मचारियों की वरिष्ठता बहाली की मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, संबंधित मंत्री, मुख्य सचिव, अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग सहित 10 प्रमुख पदाधिकारियों को भेजा है। उन्होंने कहा कि यह मामला अत्यंत गंभीर है और पारदर्शी जांच ही सत्यता को सामने ला सकता है।

